सम्भल, सोमवार
13 जुलाई 2026
वर्षः 01
अंकः 05
मूल्यः 03 रूपये
पृष्ठः 8
RNI: UPHIN/26/A2916
website: vishvpravah.com

विश्व प्रवाह

आवाज! जन-जन की...

हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

राष्ट्रीय मंच पर चमका संभल का विद्यालय, सीएम योगी ने किया सम्मानित

वियतनाम में भारतीय पर्यटकों की स्पीडबोट पलटी, 15 की मौत

फु क्वोक द्वीप के पास हादसा, कई लापता

मृतकों में तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और केरल के पर्यटक शामिल

नई दिल्ली/हनोई, एजेंसी। वियतनाम के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल फु क्वोक द्वीप के पास शनिवार को भारतीय पर्यटकों को ले जा रही एक स्पीडबोट पलटने से बड़ा हादसा हो गया। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार हादसे में 15 भारतीय पर्यटकों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लापता हैं। स्थानीय प्रशासन राहत एवं बचाव अभियान चला रहा है। भारतीय दूतावास ने प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए हनोई और हो ची मिन्ह सिटी में कंट्रोल रूम स्थापित किए हैं।

स्थानीय मीडिया के अनुसार ओशन पीयर आइलैंड कंपनी की स्पीडबोट शनिवार दोपहर करीब एक बजे होन मे रट से पर्यटकों को लेकर एन थॉई पोर्ट जा रही थी। फु क्वोक हवाई अड्डे से लगभग 25 किलोमीटर दूर होन मे रट एन्वाई क्षेत्र के पास समुद्र में नाव अचानक पलट गई, जिससे सभी यात्री पानी में गिर गए।

हनोई स्थित भारतीय दूतावास ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि स्थानीय प्रशासन द्वारा खोज और बचाव अभियान चलाया जा रहा है। हादसे के कारणों और नाव में सवार लोगों की सही संख्या की जानकारी जुटाई जा रही है। दूतावास ने प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए हेल्पलाइन और कंट्रोल रूम भी शुरू किए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आसपास से गुजर रही अन्य पर्यटक नौकाएं कुछ ही मिनटों में मौके पर पहुंच गईं, लेकिन समुद्र में तेज लहरें और नाव के अंदर यात्रियों के फंसे होने के कारण बचाव कार्य काफी कठिन रहा। कई लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया, जबकि कुछ यात्री नाव के भीतर ही फंसे रह गए।

स्थानीय प्रशासन ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घटना के समय समुद्र अशांत था, हालांकि बारिश नहीं हो रही थी। अधिकारियों का कहना है कि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा।

फु क्वोक वियतनाम के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में शामिल है। इस वर्ष के पहले छह महीनों में यहां करीब 57 लाख पर्यटक पहुंचे, जिनमें 13 लाख से अधिक विदेशी पर्यटक शामिल थे। पिछले वर्ष की तुलना में पर्यटकों की संख्या में लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

मृतकों में ये भारतीय शामिल

प्रारंभिक सूची के अनुसार हादसे का शिकार हुए भारतीयों में बालासुब्रमणि पलानीसामी, सेल्वम पिचैयाह, सेंथिल कुमार जयवेल, शिवकुमार मुथुकुमारसामी, निर्मल कुमार सेथुरामन, मुरुगा प्रभु अरुमुगम, रुबन सेल्वा नाथन जैकब येसुपाथम, श्रीधर धर्मराजन, विग्नेश्वर राधाकृष्णन गोपाल, रामासुब्बू अन्नावी, अबुतालखा जहीरुद्दीन, श्रीधर सुंदरराजन, वामशीदार सेल्लूर रामराज, सेनजादैवेल कुप्पुसामी और नागालामडुगु सोहन शामिल बताए जा रहे हैं। अधिकारियों ने मृतकों की आधिकारिक पहचान की प्रक्रिया जारी होने की बात कही है।

भारत दुनिया को दे रहा विकास का नया मॉडल : मोदी

ऑकलैंड में बोले प्रधानमंत्री, भारत को बताया सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और वैश्विक नवाचार का केंद्र

ऑकलैंड/नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भारत की वैश्विक उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश आज दुनिया को विकास का नया मॉडल दे रहा है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है और दूध उत्पादन, डिजिटल भुगतान, मोबाइल निर्माण, स्टार्टअप तथा नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक, सबसे बड़ा वैक्सीन निमार्ता, दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निमार्ता, दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक और तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाजार बन चुका है। उन्होंने कहा कि भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम दुनिया में तीसरे स्थान पर है और देश जल्द ही नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में भी तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यूपीआई के माध्यम से हर महीने अरबों डिजिटल लेनदेन हो रहे हैं और भारत दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल पहचान प्लेटफॉर्म का सफल संचालन कर रहा है। ड्रोन तकनीक, अंतरिक्ष क्षेत्र और बुनियादी ढांचे में भी भारत तेजी से नई ऊंचाइयों को छू रहा है, जिससे दुनिया के कई देश भारत के विकास मॉडल में रुचि दिखा रहे हैं।

प्रवासी भारतीयों को दिया भरोसा

प्रधानमंत्री मोदी ने प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय प्रधानमंत्री के न्यूजीलैंड आने में 40 वर्ष लग गए, लेकिन अब इतना लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने कहा, "यह मोदी की गारंटी है।" प्रधानमंत्री ने प्रवासी भारतीयों से अपने बच्चों को 'भारत को जानो क्विज' से जोड़ने का आग्रह करते हुए कहा कि इससे नई पीढ़ी भारत की संस्कृति, विरासत और विविधता को बेहतर ढंग से समझ सकेगी और दुनिया तक भारत की समृद्ध पहचान पहुंचा सकेगी।

आतंकवाद और साइबर सुरक्षा पर भारत-न्यूजीलैंड का सहयोग होगा मजबूत

भारत और न्यूजीलैंड ने आतंकवाद, साइबर सुरक्षा और अन्य उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए सहयोग को और मजबूत करने का संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के बीच हुई वार्ता के बाद जारी संयुक्त बयान में दोनों देशों ने क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा के लिए मिलकर काम करने पर सहमति जताई।

संयुक्त बयान में दोनों नेताओं ने सीमा पार आतंकवाद सहित आतंकवाद के सभी स्वरूपों की कड़ी निंदा की। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम और नई दिल्ली के लाल किले के पास हुए आतंकी हमलों की निंदा करते हुए दोषियों को जल्द सजा दिलाने और आतंकियों के वित्तपोषण, सुरक्षित ठिकानों तथा ऑनलाइन नेटवर्क को खत्म करने पर जोर दिया।

दोनों देशों ने आतंकवाद निरोधक सहयोग को मजबूत करने के लिए काउंटर टेररिज्म पर संयुक्त कार्य समूह (जॉइंट वर्किंग ग्रुप) के गठन संबंधी समझौते का स्वागत किया। यह समूह दोनों देशों के बीच सूचना और अनुभव साझा करने का मंच उपलब्ध कराएगा।

नीट पेपर लीक के 13 आरोपितों की न्यायिक हिरासत बढ़ी

- राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 24 जुलाई तक भेजा जेल, सीबीआई कर रही मामले की जांच

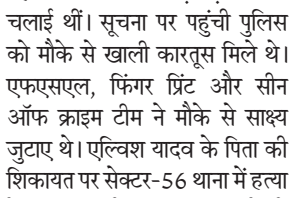

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने नीट पेपर लीक मामले में गिरफ्तार 13 आरोपितों की न्यायिक हिरासत 24 जुलाई तक बढ़ा दी है। विशेष न्यायाधीश सतीश कुमार ने शनिवार को सभी आरोपितों को कोर्ट में पेश किए जाने के बाद यह आदेश दिया। सीबीआई ने इस मामले में 12 मई को दर्ज एफआईआर के आधार पर भारतीय न्याय संहिता और भ्रष्टाचार निरोधक कानून की विभिन्न धाराओं के तहत जांच शुरू की थी। तीन मई को आयोजित नीट परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने के आरोप सामने आने के बाद परीक्षा रद्द कर 21 जून को दोबारा आयोजित की गई थी।

जांच के अनुसार, मनीषा वाघमारे ने धनंजय लोखंडे को प्रश्नपत्र उपलब्ध कराया, जिसने आगे शुभम खैरनार को प्रश्नपत्र सौंपा। मामले में अब तक 13 आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सीबीआई पूरे नेटवर्क और पेपर लीक की साजिश की जांच में जुटी है।

नौसेना के बेड़े में शामिल हुआ स्वदेशी युद्धपोत 'महेन्द्रगिरी'

- 75% स्वदेशी तकनीक से निर्मित स्टेल्थ फ्रिगेट, पूर्वी बेड़े की बढ़ेगी ताकत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय नौसेना को शनिवार को स्वदेशी एडवांस्ड स्टेल्थ फ्रिगेट 'महेन्द्रगिरी' के रूप में बड़ी ताकत मिली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विशाखापत्तनम में प्रोजेक्ट-17ए के तहत निर्मित इस युद्धपोत को नौसेना में शामिल किया। इसे पूर्वी नौसैनिक बेड़े में तैनात किया जाएगा, जिससे हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की निगरानी और ऑपरेशनल क्षमता और मजबूत होगी।

करीब 6,670 टन वजनी महेन्द्रगिरी का निर्माण मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने किया है। युद्धपोत में 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है। इसमें सुपरसोनिक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें, मध्यम दूरी की वायु रक्षा मिसाइलें और आधुनिक पनडुब्बी रोधी प्रणाली सहित अत्याधुनिक कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम लगाया गया है।

नौसेना के अनुसार महेन्द्रगिरी उच्च तीव्रता वाले युद्ध अभियानों के साथ-साथ मानवीय सहायता और आपदा राहत कार्यों में भी सक्षम है। पिछले एक वर्ष में भारतीय नौसेना 12 युद्धपोत, एक पनडुब्बी और एक एयरक्राफ्ट स्क्वाड्रन को अपने बेड़े में शामिल कर चुकी है। 'महेन्द्रगिरी' को भारत की बढ़ती आत्मनिर्भर रक्षा क्षमता का महत्वपूर्ण प्रतीक माना जा रहा है।

उत्तराखंड में 14 जुलाई तक भारी बारिश का अलर्ट

भूस्खलन और अचानक बाढ़ का खतरा बढ़ा, चारधाम मार्गों पर निगरानी तेज

देहरादून। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 11 से 14 जुलाई तक उत्तराखंड के कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसके बाद राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र (एसईओसी) ने सभी जिलों को हाई अलर्ट पर रहने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी रखने के निर्देश दिए हैं। मौसम विभाग के अनुसार देहरादून, पौड़ी, चमोली, रुद्रप्रयाग, नैनीताल, बागेश्वर, पिथौरागढ़, चंपावत और ऊधमसिंह नगर समेत कई जिलों में भारी बारिश, आंधी-तूफान और बिजली गिरने की आशंका है। पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन, चट्टानें गिरने और अचानक बाढ़ का खतरा बना हुआ है, जबकि मैदानी इलाकों में जलभराव और यातायात प्रभावित हो सकता है। लगातार बारिश से कई राष्ट्रीय राजमार्गों पर मलबा आने और सड़कें बंद होने की घटनाएं सामने आई हैं।

एवाई 2026-27 के लिए 1.7 करोड़ से ज्यादा आईटीआर दाखिल

आयकर विभाग ने 31 जुलाई से पहले रिटर्न भरने की अपील की

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने बताया कि आकलन वर्ष (एवाई) 2026-27 के लिए अब तक 1.7 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल किए जा चुके हैं। विभाग के अनुसार, शुक्रवार को अकेले 10 लाख से ज्यादा आईटीआर फाइल किए गए। आयकर विभाग ने करदाताओं से 31 जुलाई की अंतिम तिथि से पहले रिटर्न दाखिल करने की अपील करते हुए कहा कि समय रहते आईटीआर भरने से अंतिम समय की भीड़ और तकनीकी दिक्कतों से बचा जा सकेगा।

हुड्डा ने भाजपा के हाथों कांग्रेस को गिरवी रखा : अभय चौटाला

- राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग को बताया कांग्रेस-भाजपा की मिलीभगत का सबूत

सिरसा, एजेंसी। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला ने कांग्रेस और भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भाजपा के हाथों कांग्रेस को गिरवी रख दिया है। उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के नौ विधायकों द्वारा भाजपा के पक्ष में मतदान करना इस बात का प्रमाण है कि कांग्रेस हरियाणा में भाजपा की 'बी टीम' के रूप में काम कर रही है।

ऐलनाबाद विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए अभय चौटाला ने कहा कि इनेलो सरकार ने किसानों, गरीबों, व्यापारियों और महिलाओं के हित में कई फैसले लिए थे। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला के कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐलनाबाद क्षेत्र में घग्घर से नहरें निकलवाकर सिंचाई व्यवस्था मजबूत की गई थी।

अभय चौटाला ने आरोप लगाया कि भाजपा शासन में किसानों को पर्याप्त खाद नहीं मिल रही और उन्हें कालाबाजारी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने इसे सरकार की विफलता बताया। इस दौरान पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एल्विश यादव फायरिंग केस में छठा आरोपी गिरफ्तार

गुरुग्राम, एजेंसी। सेक्टर-57 स्थित यूट्यूबर एल्विश यादव के घर पर पिछले वर्ष 17 अगस्त को हुई फायरिंग के मामले में गुरुग्राम पुलिस ने छठे आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रोहतक के सनसिटी निवासी भविष्य दहिया के रूप में हुई है।

पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि जांच में सामने आया है कि भविष्य दहिया और एल्विश यादव पहले बिजनेस पार्टनर थे। वित्तीय विवाद और पैसों के लालच में आरोपी ने अपने एक साथी के साथ मिलकर एल्विश यादव के घर पर फायरिंग की साजिश रची थी। अन्य आरोपियों की मदद से वारदात को अंजाम दिया गया।

घटना 17 अगस्त 2025 की सुबह करीब 5:30 बजे की है, जब बाइक सवार तीन बदमाशों ने एल्विश यादव के घर के ग्राउंड फ्लोर और पहली मंजिल पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाई थीं। सूचना पर पहुंची पुलिस को मौके से खाली कारतूस मिले थे। एफएसएल, फिंगर प्रिंट और सीन ऑफ क्राइम टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए थे। एल्विश यादव के पिता की शिकायत पर सेक्टर-56 थाना में हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया गया था।

लाल किले को बम से उड़ाने की धमकी अफवाह निकली

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद शनिवार को सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं। पुलिस, बम निरोधक दस्ते और अन्य सुरक्षा टीमों ने लाल किले परिसर की गहन तलाशी ली, लेकिन जांच में कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक बरामद नहीं हुआ। बाद में धमकी को अफवाह करार दिया गया। दिल्ली पुलिस के अनुसार धमकी का फोन मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम में आया था। सूचना मिलते ही मुंबई पुलिस ने दिल्ली पुलिस को अलर्ट किया, जिसके बाद नॉर्थ जिला पुलिस ने तत्काल सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाते हुए तलाशी अभियान शुरू कराया।

एआई युग में युवाओं को नशे से बचाना बड़ी चुनौती : नायब सैनी

हर गांव में बनेगी टास्क फोर्स, नशे की मांग खत्म करने पर सरकार का फोकस

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के दौर में युवाओं को नशे से बचाना सबसे बड़ी चुनौती है। सरकार केवल नशा तस्करों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि समाज से नशे की मांग खत्म करने के लिए व्यापक अभियान चलाएगी।

पंचकूला में 'हरियाणा उदय' अभियान के तहत आयोजित 'नशा मुक्त हरियाणा' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि हर गांव में एसडीएम, बीडीपीओ, सरपंच और एनजीओ प्रतिनिधियों की टास्क फोर्स बनाई जाएगी, जो नशे के खिलाफ जागरूकता और निगरानी का काम करेगी।

उन्होंने कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे समाज और देश के भविष्य का नुकसान करता है। सरकार, पुलिस, परिवार और समाज के संयुक्त प्रयासों से ही इस चुनौती का मुकाबला किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने समाजसेवी संगठनों से गांव-गांव और मोहल्लों तक नशा विरोधी अभियान चलाने तथा युवाओं को नशे से दूर रखने का आह्वान किया।

'नशे के खिलाफ समाज और पुलिस मिलकर लड़ेंगे लड़ाई'

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के लिए सरकार अब केवल पुलिस कार्रवाई तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि समाज, परिवार, स्वयंसेवी संगठनों और आम नागरिकों की भागीदारी से इसे जनआंदोलन बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि विकसित हरियाणा और विकसित भारत का सपना तभी पूरा होगा, जब प्रदेश का युवा नशे की गिरफ्त से पूरी तरह मुक्त होगा।

पंचकूला में 'हरियाणा उदय' अभियान के तहत आयोजित 'नशा मुक्त हरियाणा के लिए एनजीओ एवं केमिस्ट एसोसिएशनों के साथ संवाद' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सभी को नशा विरोधी शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि नशा केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि समाज, परिवार और राष्ट्र निर्माण का विषय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों को कमजोर करता है। सरकार का लक्ष्य केवल नशा तस्करों को पकड़ना नहीं, बल्कि समाज में नशे की मांग को भी समाप्त करना है। इसी दिशा में नशे के कारोबार में लिप्त लोगों की संपत्तियां जब्त करने और अवैध निमार्णों पर बुलडोजर चलाकर सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने सभी नागरिकों से नशा मुक्त हरियाणा के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

विश्व प्रवाह
आवाज! जन-जन की...
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

ग्रामीण युवाओं को गांव में ही मिलेगी आईएएस-पीसीएस की तैयारी, प्रदेश की 11,350 ग्राम पंचायतों में बन रहीं हाईटेक डिजिटल लाइब्रेरी

लखनऊ, । उत्तर प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी के लिए आधुनिक शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पहले चरण में प्रदेश की 11,350 ग्राम पंचायतों में हाईटेक डिजिटल लाइब्रेरी विकसित की जा रही हैं। इन पुस्तकालयों में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस) तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को ई-बुक्स, वीडियो लेक्चर, ऑडियो सामग्री, डिजिटल क्विज और लगभग 20 हजार डिजिटल शैक्षणिक संसाधनों की सुविधा मिलेगी। सरकार का उद्देश्य ग्रामीण प्रतिभाओं को शहरों जैसी अध्ययन सुविधाएं गांवों में ही उपलब्ध कराना है, ताकि आर्थिक और भौगोलिक

बाधाएं उनकी सफलता के मार्ग में रुकावट न बनें।पंचायतीराज विभाग के अनुसार पहले चरण में 32 जिलों की ग्राम पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित की जा रही हैं। प्रत्येक लाइब्रेरी को आधुनिक तकनीक से लैस किया गया है, जहां विद्यार्थी पारंपरिक पुस्तकों के साथ-साथ डिजिटल माध्यम से भी अध्ययन कर सकेंगे। इससे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी अधिक व्यवस्थित और प्रभावी होगी।सरकार ने प्रत्येक डिजिटल लाइब्रेरी के विकास पर लगभग चार लाख रुपये खर्च किए हैं। इसमें लगभग दो लाख रुपये की लागत से प्रतियोगी परीक्षाओं और सामान्य अध्ययन से संबंधित पुस्तकें उपलब्ध कराई गई हैं। इसके अतिरिक्त लगभग 1.30 लाख रुपये के सूचना प्रौद्योगिकी उपकरण तथा करीब 70 हजार रुपये की लागत से आधुनिक फर्नीचर उपलब्ध कराया गया है। इन सुविधाओं के माध्यम से ग्रामीण छात्रों को डिजिटल शिक्षा का बेहतर वातावरण मिलेगा।पंचायतीराज निदेशक अमित कुमार सिंह ने बताया कि डिजिटल लाइब्रेरी में विद्यार्थियों को 20 हजार से अधिक डिजिटल कंटेंट उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इनमें ई-बुक्स, वीडियो लेक्चर, ऑडियो सामग्री, इंटरैक्टिव क्विज और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित अध्ययन सामग्री शामिल है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को तकनीक आधारित शिक्षा से जोड़ते हुए उनकी प्रतिस्पर्धी क्षमता को मजबूत बनाना है, जिससे वे राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।योजना के तहत अब तक 10,406 ग्राम पंचायतों की लाइब्रेरियों में पुस्तकें उपलब्ध कराई जा चुकी हैं, जबकि 9,372 ग्राम पंचायतों में आधुनिक फर्नीचर की आपूर्ति भी पूरी हो चुकी है। विभाग द्वारा चरणबद्ध तरीके से सभी लाइब्रेरियों को डिजिटल संसाधनों से जोड़ने का कार्य भी किया जा रहा है, ताकि विद्यार्थियों को एक ही स्थान पर पुस्तकालय और डिजिटल लर्निंग की सुविधा मिल सके।सरकार ने इन डिजिटल लाइब्रेरी के संचालन की जिम्मेदारी ग्राम प्रधान और ग्राम सचिव को सौंपी है। संबंधित सहायक अधिकारी नियमित रूप से इनकी निगरानी करेंगे, जिससे पुस्तकालयों का संचालन सुचारु रूप से हो सके और विद्यार्थियों को सभी सुविधाएं समय पर उपलब्ध हों। सरकार का मानना है कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का स्तर सुधरेगा और डिजिटल शिक्षा को नई गति मिलेगी।अयोध्या, प्रयागराज, गोरखपुर, सुल्तानपुर, अमेठी, आगरा, कानपुर देहात, गौतम बुद्ध नगर, बांदा, गाजियाबाद, शाहजहांपुर, देवरिया, हरदोई, शामली, एटा, सहारनपुर, फिरोजाबाद, कौशांबी, प्रतापगढ़, वाराणसी, ललितपुर, अमरोहा, कासगंज, इटावा, फर्रुखाबाद, बुलंदशहर, श्रावस्ती, रामपुर, लखीमपुर खीरी, जौनपुर, संभल और उन्नाव सहित 32 जिलों की ग्राम पंचायतों में पुस्तकों और आधुनिक फर्नीचर की शत-प्रतिशत आपूर्ति पूरी की जा चुकी है।सरकार का कहना है कि डिजिटल लाइब्रेरी परियोजना ग्रामीण युवाओं के लिए शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण बदलाव साबित होगी। इस पहल से गांवों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री अपने ही क्षेत्र में उपलब्ध होगी, जिससे वे उच्च स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी बेहतर ढंग से कर सकेंगे और रोजगार के नए अवसरों तक उनकी पहुंच मजबूत होगी।

जून माह के 'कॉप ऑफ द मंथ' सम्मान घोषित, गोसाईगंज के प्रभारी निरीक्षक दिलेश कुमार सिंह बने दक्षिणी जोन में अव्वल

लखनऊ, । पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के दक्षिणी जोन में बेहतर पुलिसिंग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जून 2026 के लिए 'कॉप ऑफ द मंथ' सम्मान घोषित किए गए। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी अमित कुमार आनंद ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रभारी निरीक्षकों और उपनिरीक्षकों को सम्मानित किया। इस दौरान थाना गोसाईगंज के प्रभारी निरीक्षक दिलेश कुमार सिंह को दक्षिणी जोन में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। वहीं गोसाईगंज सर्किल में उपनिरीक्षक बादल सिरोहा, मोहनलालगंज सर्किल में उपनिरीक्षक आशीष कुमार तथा कृष्णानगर सर्किल में उपनिरीक्षक सच्चिदानंद पाण्डेय को अपने-अपने सर्किल में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया।दक्षिणी जोन में 13 मई 2026 से प्रभारी निरीक्षकों और उपनिरीक्षकों के कार्यों के मूल्यांकन के लिए ऑब्जेक्टिव इवैल्यूएशन सिस्टम लागू किया गया है। इस प्रणाली के तहत अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था, वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी, गैंगस्टर एवं गुंडा एक्ट की कार्रवाई, साइबर अपराधों का निस्तारण, सीसीटीवी व्यवस्थापन, थाना दिवस पर शिकायतों का निस्तारण, ऑपरेशन किरण के तहत पारिवारिक विवादों का समाधान तथा अन्य पुलिस कार्यों के आधार पर अंक दिए जाते हैं। पुलिस का कहना है कि इस व्यवस्था से पुलिसकर्मियों के बीच सकारात्मक प्रतिस्पर्धा बढ़ी है और लक्ष्य आधारित पुलिसिंग को मजबूती मिली है।जून माह के मूल्यांकन में थाना गोसाईगंज के प्रभारी निरीक्षक दिलेश कुमार सिंह ने 10,728 अंक प्राप्त कर पहला स्थान हासिल किया। उनके नेतृत्व में थाना गोसाईगंज पुलिस ने तीन आरोपियों के विरुद्ध गुंडा एक्ट की कार्रवाई, छह वांछित एवं एनबीडब्ल्यू आरोपियों की गिरफ्तारी, ऑपरेशन किरण के तहत 126 पारिवारिक मामलों का समझौता, एक नई हिस्ट्रीशीट खोलने, 1,564 सीसीटीवी कैमरों का व्यवस्थापन तथा थाना दिवस एवं तहसील दिवस पर प्राप्त 17 शिकायतों का निस्तारण किया।द्वितीय स्थान थाना कृष्णानगर के प्रभारी

मेरठ की दलित छात्रा हत्याकांड में अखिलेश यादव ने पीड़ित परिवार से की मुलाकात, निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग

लखनऊ/मेरठ)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को मेरठ पहुंचकर दलित छात्रा ललिता गौतम हत्याकांड के पीड़ित परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने शोक संतप्त परिवार को सांत्वना देते हुए न्याय की लड़ाई में हर संभव साथ देने का आश्वासन दिया और राज्य सरकार से पीड़ित परिवार की सभी मांगों को पूरा करने की मांग की।अखिलेश यादव ने कहा कि मृतक छात्रा को न्याय मिलना चाहिए और सरकार को इस मामले में निष्पक्ष एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि घटना के बाद नामजद आरोपियों के खिलाफ कमजोर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया, जबकि विरोध प्रदर्शन करने वालों पर गंभीर धाराएं लगाई गई। इसे उन्होंने न्याय के साथ अन्याय बताया।सपा अध्यक्ष ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जिस पुलिस से लोगों को न्याय की उम्मीद होती है, उसी के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के व्यवहार ने कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि एक पुलिस अधिकारी का वीडियो व्यापक रूप से प्रसारित हुआ है, जिससे पुलिस की छवि प्रभावित हुई है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस विभाग में अनेक अधिकारी और कर्मचारी अपनी कर्तव्यनिष्ठा तथा संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रहे हैं।अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार महिलाओं और वंचित वर्गों से जुड़े मामलों में अपेक्षित संवेदनशीलता नहीं दिखा पा रही है।उन्होंने कहा कि

समाजवादी पार्टी पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और मामले में निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई तथा पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

माया‌वती बोलीं— बहुजन समाज को गुमराह करने की साजिश से रहें सतर्क

लखनऊ, । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 के संदर्भ में लंबा राजनीतिक बयान जारी करते हुए कहा कि बसपा अन्य राजनीतिक दलों की तरह धरना-प्रदर्शन, सड़क जाम, तोड़फोड़, हिंसा, झूठे वादों और भ्रामक प्रचार के माध्यम से राजनीतिक या चुनावी लाभ लेने में विश्वास नहीं करती। उन्होंने दावा किया कि बसपा देश की एकमात्र अम्बेडकरवादी पार्टी है, जो 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के सिद्धांत पर चलकर गरीबों, मजदूरों, शोषितों, पीड़ितों और उपेक्षित वर्गों के हितों के लिए कार्य करती रही है।मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बसपा के नेतृत्व में बनी चार सरकारों ने जनहित, जनकल्याण, विकास, अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था के क्षेत्र में बेहतर कार्य किया तथा 'कानून द्वारा कानून का राज' स्थापित किया। उन्होंने कहा कि बसपा ने हमेशा संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप शासन चलाने का प्रयास किया और सत्ता का उपयोग समाज के सभी वर्गों को न्याय

दिलाने के लिए किया।उन्होंने आरोप लगाया कि आगामी विधानसभा चुनाव में बसपा का जनाधार बढ़ता देखकर विरोधी दल बेचैन हैं और विभिन्न हथकंडों के माध्यम से दलित एवं बहुजन समाज को भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं। उनके अनुसार कुछ दलित संगठनों और राजनीतिक दलों को आगे कर बहुजन समाज के विभिन्न वर्गों को बसपा से दूर करने का प्रयास किया जा रहा है।बसपा प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी छल, प्रपंच और अवसरवादी राजनीति में विश्वास नहीं करती, बल्कि महात्मा ज्योतिबा फुले, नारायण गुरु, राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज, डॉ. भीमराव अम्बेडकर और कांशीराम के बताए मार्ग पर चलते हुए सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक उत्थान के लक्ष्य को सत्ता के माध्यम से प्राप्त करना चाहती है।मायावती ने कहा कि शोषित, पीड़ित, पिछड़े, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, मुस्लिम, अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों तथा आर्थिक रूप से कमजोर सवर्ण समाज के वास्तविक हितों की रक्षा केवल बसपा ही कर सकती है। उन्होंने दावा किया कि बसपा सरकारों के दौरान सत्ता, संसाधनों और सरकारी मशीनरी का उपयोग समाज के सभी वर्गों के साथ न्याय सुनिश्चित करने के लिए किया गया।उन्होंने कहा कि चुनाव नजदीक आते ही विरोधी दल अपने राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति के लिए विभिन्न संगठनों और 'गुलाम मानसिकता' वाले लोगों के माध्यम से बसपा और बाबा साहेब के आंदोलन को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने दलित और बहुजन समाज सहित सभी वर्गों से ऐसे प्रयासों के प्रति सतर्क रहने की अपील की।मायावती ने युवाओं, गरीबों, मजदूरों और बेरोजगारों से भी अपील करते हुए कहा कि वे अपनी समस्याओं को लेकर आंदोलन करते समय सरकारी कार्रवाई और उत्पीड़न का शिकार बनने से बचें। उन्होंने कहा कि यदि युवा मुकदमों और जेल के मामलों में उलझ जाते हैं तो उनका भविष्य प्रभावित हो सकता है, जबकि परिवार का मुखिया ऐसी परिस्थितियों में फंसने पर पूरे परिवार का जीवन संकट में पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि बसपा नहीं चाहती कि उसके अम्बेडकरवादी मिशन को कमजोर करने के लिए विरोधियों की ऐसी रणनीति सफल हो।बसपा अध्यक्ष ने सहारनपुर प्रकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि उस मामले में बसपा ने सड़क से लेकर संसद तक संघर्ष किया था।

कृषि प्राविधिक सहायक भर्ती में आरक्षण घोटाले का आरोप, आप ने भाजपा सरकार पर पिछड़ों और दलितों का हक मारने का लगाया आरोप

लखनऊ, आम आदमी पार्टी (आप) उत्तर प्रदेश के अयोध्या प्रांत अध्यक्ष विनय पटेल ने अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा कृषि विभाग में निकाली गई कृषि प्राविधिक सहायक भर्ती को लेकर भाजपा सरकार पर आरक्षण में अनियमितता का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि 2,759 पदों की भर्ती में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप आरक्षण नहीं दिया गया, जिससे आरक्षित वर्गों के सैकड़ों युवाओं के अधिकार प्रभावित हुए हैं।लखनऊ में आयोजित प्रेस वार्ता में विनय पटेल ने कहा कि 2,759 पदों वाली इस भर्ती में एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग को कुल 1,380 पद मिलने चाहिए थे, लेकिन सरकार ने केवल 792 पद ही आवंटित किए। उनका आरोप है कि इस प्रक्रिया में आरक्षित वर्गों के 588 पद कम कर दिए गए, जिससे पिछड़े और दलित समाज के युवाओं के साथ अन्याय हुआ है।उन्होंने आरोप लगाया कि भर्ती में ओबीसी वर्ग को केवल 20 प्रतिशत और अनुसूचित जाति वर्ग को मात्र 8 प्रतिशत आरक्षण दिया गया, जबकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) का 10 प्रतिशत आरक्षण यथावत रखा गया। विनय पटेल ने कहा कि इस व्यवस्था के कारण ओबीसी वर्ग को 573, अनुसूचित जाति को 213 तथा अनुसूचित जनजाति को केवल 6 पद मिले। उनके अनुसार यह संविधान की भावना और आरक्षण व्यवस्था के साथ खिलवाड़ है।आप नेता ने कहा कि भाजपा सरकार का यह रवैया नया नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2021 की 69 हजार शिक्षक भर्ती में भी आरक्षण नियमों का पालन नहीं किया गया था, जिससे हजारों आरक्षित पद प्रभावित हुए। इसके अलावा उन्होंने बांदा कृषि विश्वविद्यालय और लखीमपुर सहकारी बैंक की भर्तियों का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि वहां भी नियुक्तियों में एक विशेष वर्ग को प्राथमिकता दी गई।विनय पटेल ने भाजपा के सहयोगी दलों के नेताओं पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में शामिल कुछ दलों के नेता अपने समाज के युवाओं के हितों की रक्षा करने में विफल रहे हैं और आरक्षण से जुड़े मुद्दों पर मौन बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि जब पिछड़े और दलित समाज के युवाओं के अधिकारों का हनन हो रहा है, तब सहयोगी दलों के नेताओं की चुप्पी कई सवाल खड़े करती है।

रेलवे पुलों के सर्विस पाथ पर दोपहिया वाहनों की आवाजाही पर रोक, रेल सुरक्षा के लिए लगाए गए अवरोधक

लखनऊ, । रेलवे प्रशासन ने रेल संरक्षा और सुरक्षित ट्रेन संचालन को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से गोरखपुर मंडल के डोमिनगढ़-जगतबेला रेलखंड पर स्थित रेलवे पुल संख्या 182 (ककरा नदी) और रेलवे पुल संख्या 183 (रोहिन नदी) के सर्विस पाथ पर दोपहिया वाहनों की अनधिकृत आवाजाही पूरी तरह रोक दी है। इसके लिए दोनों पुलों के सर्विस पाथ पर अवरोधक (बैरियर) लगाए गए हैं।रेलवे प्रशासन के अनुसार यह कदम रेलवे ट्रैक और पुलों के अनुरक्षण कार्य को सुरक्षित एवं सुचारु बनाए रखने के लिए उठाया गया है। सर्विस पाथ का निर्माण विशेष रूप से रेलवे कर्मचारियों के आवागमन के लिए किया जाता है, ताकि ट्रैक और पुलों के रखरखाव संबंधी कार्य समय पर और सुरक्षित ढंग से किए जा सकें।रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इन पाथ वे का उपयोग ट्रैकमैन, कीमैन तथा ट्रेन संचालन से जुड़े लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर सहित अन्य अधिकृत कर्मचारी आवश्यकता के अनुसार करते हैं। लेकिन पिछले कुछ समय से इन मार्गों का उपयोग अनधिकृत रूप से दोपहिया वाहन चालक भी करने लगे थे, जिससे रेल संरक्षा और परिचालन सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बनी हुई थी।इसी को देखते हुए रेलवे ने दोनों पुलों के सर्विस पाथ पर अवरोधक स्थापित कर अनधिकृत आवागमन पर रोक लगा दी है। रेलवे प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई यात्रियों की सुरक्षा, रेलवे कर्मचारियों के सुरक्षित आवागमन तथा ट्रेन संचालन को निर्बाध बनाए रखने के उद्देश्य से की गई है। साथ ही लोगों से अपील की गई है कि वे रेलवे के सर्विस पाथ और अन्य प्रतिबंधित क्षेत्रों का अनधिकृत उपयोग न करें तथा रेल सुरक्षा नियमों का पालन करें।

दूध में मिलावट पर प्रदेशभर में बड़ी कार्रवाई, 116 नमूने लिए गए; 34 क्विंटल खाद्य पदार्थ

लखनऊ,। उत्तर प्रदेश में दूध और दुग्ध उत्पादों में मिलावट पर प्रभावी रोक लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में विशेष अंतरजनपदीय छापामार अभियान चलाया। अभियान के दौरान दूध, पनीर, दही, घी और अन्य दुग्ध उत्पाद बनाने वाली इकाइयों, मिल्क चिलिंग सेंटर, मिल्क कलेक्शन सेंटर तथा गोदामों का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान बड़े पैमाने पर नमूने लिए गए, खाद्य पदार्थ जब्त किए गए और गंभीर अनियमितताएं मिलने पर चार जिलों में एफआईआर दर्ज कराई गई।आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के निर्देश पर संचालित इस विशेष अभियान में 27 अंतरजनपदीय टीमों ने 42 दुग्ध उत्पाद निर्माण इकाइयों एवं प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान खाद्य सुरक्षा मानकों, स्वच्छता व्यवस्था, कच्चे माल की गुणवत्ता, अभिलेखों के रखरखाव, पैकेजिंग, लेबलिंग तथा संभावित मिलावट की गहन जांच की गई।अभियान के दौरान कुल 116 खाद्य नमूने संग्रहित कर परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजे गए। साथ ही लगभग 34 क्विंटल खाद्य पदार्थ जब्त किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 28.50 लाख रुपये बताई गई है। इसके अतिरिक्त अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में रखे गए तथा मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त पाए गए नौ क्विंटल खाद्य पदार्थों का मौके पर ही विनष्टीकरण कराया गया, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 8.50 लाख रुपये है।जांच में गंभीर अनियमितताएं मिलने पर अमरोहा, अलीगढ़, बदायूं और मथुरा में कुल चार एफआईआर दर्ज कराई गई। मथुरा स्थित अनीता डेयरी में पूर्व में सील किए गए प्रतिष्ठान को दोबारा खोलकर बिना लाइसेंस खाद्य पदार्थों का निर्माण करते पाए जाने पर दो नमूने लेकर एफआईआर दर्ज की गई।अमरोहा में उमंग डेयरी लिमिटेड से पांच नमूने लिए गए। यहां लगभग 5,000 किलोग्राम व्हे पाउडर और 27,875 किलोग्राम स्क्रैप पाउडर, जिसकी कुल कीमत लगभग 25.49 लाख रुपये आंकी गई है, जब्त किया गया। इसके अलावा अस्वच्छ परिस्थितियों में तैयार 699 किलोग्राम बटर और 99 किलोग्राम पनीर का विनष्टीकरण कराया गया। जांच में वेजिटेबल

फैट और प्रतिबंधित अपमिश्रकों की मदद से बटर निर्माण की पुष्टि होने पर एफआईआर दर्ज की गई।अलीगढ़ के चंडौस क्षेत्र स्थित बरकत अली की पनीर निर्माण इकाई से नौ नमूने लिए गए। जांच के दौरान 200 लीटर दूध और 400 किलोग्राम नकली पनीर नष्ट कराया गया। अपमिश्रकों की सहायता से नकली पनीर बनाने के आरोप में संबंधित प्रतिष्ठान के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।बदायूं के ग्राम कोल्हाई स्थित कादरी डेयरी से आठ नमूने लिए गए। यहां चीनी, रिफाइंड पामोलीन ऑयल और घी जब्त किया गया, जबकि 78 लीटर अपमिश्रित दूध नष्ट कराया गया। जांच में नकली दूध और घी बनाने के लिए रिफाइंड ऑयल सहित अन्य अपमिश्रकों के उपयोग की पुष्टि होने पर एफआईआर दर्ज कराई गई।मथुरा में राधिका डेयरी से तीन नमूने लेकर 88 किलोग्राम घी जब्त किया गया तथा 130 किलोग्राम अस्वच्छ परिस्थितियों में निर्मित पनीर नष्ट कराया गया। वहीं मधु डेयरी से चार नमूने लेकर मिलावट के संदेह में 104 किलोग्राम घी जब्त किया गया।खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने स्पष्ट किया है कि कार्रवाई का उद्देश्य संगठित स्तर पर मिलावट करने वाले तत्वों पर सख्त कार्रवाई करना है। आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अभियान के दौरान छोटे दुकानदारों, खुदरा व्यापारियों और फेरी लगाने वालों का किसी भी प्रकार से उत्पीड़न न किया जाए।

संक्षिप्त समाचार

उत्तर प्रदेश पशुपालन विभाग मिनिस्ट्रियल एम्प्लाइज एसोसिएशन का द्विवार्षिक अधिवेशन संपन्न

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पशुपालन विभाग मिनिस्ट्रियल एम्प्लाइज एसोसिएशन का द्विवार्षिक अधिवेशन एवं निर्वाचन निदेशालय परिसर स्थित सभागार में शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में प्रदेश के विभिन्न जनपदों, मंडलों और संस्थाओं से आए मिनिस्ट्रियल संवर्ग के कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। चुनाव को लेकर कर्मचारियों में खासा उत्साह देखने को मिला और पूरे निर्वाचन की प्रक्रिया सौहार्दपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुई।देर रात घोषित निर्वाचन परिणामों में विद्या प्रकाश त्रिवेदी प्रांतीय अध्यक्ष तथा अखंड प्रताप सिंह प्रांतीय महामंत्री निर्वाचित घोषित किए गए। आरुष यादव को प्रांतीय कोषाध्यक्ष चुना गया, जबकि धर्मेंद्र कुमार सिंह, राहुल कुमार, रमेश चंद्र और सौरभ तिवारी वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए।परिणामों की घोषणा होते ही नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का कर्मचारियों ने पुष्पमालाओं से स्वागत किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस दौरान पूरे सभागार में संगठन की एकता और कर्मचारी हितों के समर्थन में उत्साह का माहौल रहा। विभिन्न जिलों से आए कर्मचारियों ने नवनिर्वाचित टीम से संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी पहल की अपेक्षा जताई।नवनिर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष विद्या प्रकाश त्रिवेदी ने कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन उनके विश्वास पर पूरी तरह खरा उतरेगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि कर्मचारियों की समस्याओं के समयबद्ध समाधान, नियमित पदोन्नति, सेवा संबंधी विसंगतियों के निराकरण तथा संगठन की गरिमा और एकता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कर्मचारी हितों की रक्षा के लिए संगठन पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा।प्रांतीय महामंत्री अखंड प्रताप सिंह ने कहा कि कर्मचारियों की प्रत्येक समस्या को निदेशालय से लेकर शासन स्तर तक मजबूती से उठाया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि संगठन पूरी पारदर्शिता, ईमानदारी और सक्रियता के साथ कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए कार्य करेगा तथा सभी कर्मचारियों को साथ लेकर संगठन को नई दिशा देने का प्रयास किया जाएगा।वरिष्ठ उपाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार सिंह ने निर्वाचन प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए सभी कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगठन नई ऊर्जा, सकारात्मक सोच और समन्वय के साथ आगे बढ़ेगा तथा कर्मचारियों के सम्मान, अधिकारों और सेवा हितों की रक्षा के लिए सदैव संघर्षरत रहेगा।अधिवेशन का समापन संगठन की एकजुटता, पारदर्शी कार्यशैली और कर्मचारी हितों के प्रति पूर्ण समर्पण के संकल्प के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए कर्मचारियों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का विश्वास व्यक्त किया।

दिल्ली के एआई आधारित स्लज मैनेजमेंट प्लांट का लखनऊ महापौर ने किया निरीक्षण, अपशिष्ट से ईंट निर्माण तकनीक का लिया जायजा

नई दिल्ली/लखनऊ, । लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने शनिवार को नई दिल्ली स्थित दिल्ली जल बोर्ड के स्लज मैनेजमेंट प्लांट का निरीक्षण कर वहां अपनाई जा रही आधुनिक तकनीकों और स्लज प्रबंधन प्रणाली का विस्तृत अवलोकन किया। उनके साथ नगर निगम लखनऊ के कार्यकारिणी उपाध्यक्ष एवं पार्षद दल के उपनेता सुशील तिवारी 'पम्मी' तथा नगर निगम के पार्षद भी मौजूद रहे।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि प्लांट में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) से निकलने वाले स्लज का वैज्ञानिक तरीके से प्रसंस्करण कर उससे ईंटों का निर्माण किया जा रहा है। इस तकनीक से एक ओर अपशिष्ट का सुरक्षित एवं पर्यावरण अनुकूल निस्तारण हो रहा है, वहीं दूसरी ओर उसे निर्माण कार्यों के लिए उपयोगी संसाधन में बदला जा रहा है।अधिकारियों के अनुसार यह प्लांट कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित पूरी तरह स्वचालित प्रणाली पर संचालित होता है। पहले एसटीपी से निकलने वाला स्लज सीधे यमुना नदी में पहुंच जाता था, जिससे प्रदूषण की समस्या बढ़ती थी, लेकिन अब उसी स्लज का वैज्ञानिक उपयोग कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रभावी पहल की जा रही है।महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि इस प्रकार के नवाचार स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। उन्होंने कहा कि अध्ययन भ्रमण के दौरान प्राप्त अनुभवों का उपयोग लखनऊ में अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को अधिक आधुनिक, प्रभावी और पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए किया जाएगा, ताकि शहर में स्वच्छता व्यवस्था को नई तकनीकों के माध्यम से और मजबूत किया जा सके।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने यह भी बताया कि स्लज मैनेजमेंट प्लांट का संचालन एसएसपी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्लांट में अपनाई गई तकनीक अपशिष्ट को उपयोगी संसाधन में बदलने का सफल मॉडल है, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ संसाधनों का बेहतर उपयोग भी सुनिश्चित हो रहा है। यह मॉडल देश के अन्य नगर निकायों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन सकता है।

पति को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में युवक गिरफ्तार, नाका हिंडोला पुलिस की कार्रवाई

लखनऊ, राजधानी लखनऊ के नाका हिंडोला थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति को कथित रूप से आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी के विरुद्ध दर्ज मुकदमे में साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए उसे मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।पुलिस के अनुसार फतेहगंज गल्ला मंडी, नाका हिंडोला निवासी अनीता गुप्ता की तहरीर पर थाना नाका हिंडोला में मुकदमा संख्या 116/2026 धारा 108 भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया कि आरोपी शैवी सोनकर उर्फ ऋषभ सोनकर ने उनके पति अजय गुप्ता को मानसिक रूप से प्रताड़ित और आत्महत्या के लिए प्रेरित किया, जिसके चलते अजय गुप्ता ने अपने घर में फंदे से लटककर जान दे दी।घटना के बाद मामले की जांच शुरू की गई। पुलिस उपायुक्त पश्चिमी के निर्देश पर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष प्रयास किए गए। इसी क्रम में शनिवार को थाना नाका हिंडोला पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपी शैवी सोनकर उर्फ ऋषभ सोनकर (29 वर्ष), निवासी मौलवीगंज, थाना अमीनाबाद, को विरहाना चौराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने बताया कि आरोपी से पूछताछ के बाद उसे न्यायालय में पेश किया जा रहा है, जहां से आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाएगी। मामले की विवेचना जारी है और पुलिस सभी तथ्यों की जांच कर रही है।

विश्व प्रवाह
आवाज! जन-जन की...
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

प्रशासन की कार्रवाई के बावजूद नहीं थम रहा प्रतिबंधित दोहरा का कारोबार

जौनपुर। जिले में प्रतिबंधित तंबाकू उत्पाद ह्यदोहराह्न के खिलाफ जिला प्रशासन और पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है, लेकिन इसके बावजूद इसका अवैध कारोबार पूरी तरह थमता नजर नहीं आ रहा है। हाल के दिनों में हुई बड़ी छापेमार कार्रवाइयों के बाद बाजार में इसकी उपलब्धता कुछ कम जरूर हुई है, लेकिन सूत्रों के अनुसार गुपचुप तरीके से इसकी बिक्री अब भी जारी है। प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि जिला स्तर पर निगरानी और कार्रवाई लगातार जारी है। इसके बावजूद कई क्षेत्रों से दोहरा की आपूर्ति और बिक्री की शिकायतें सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि क्षेत्रीय स्तर पर निगरानी और अधिक प्रभावी बनाई जाए तो इस अवैध कारोबार पर बेहतर अंकुश लगाया जा सकता है।

वर्ष 2017 से प्रतिबंधित है दोहरा

उत्तर प्रदेश में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम (एफएसएसए) के तहत वर्ष 2017 से दोहरा के निर्माण, भंडारण, बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लागू है। इसके बावजूद कई क्षेत्रों में इसकी अवैध बिक्री की शिकायतें समय-समय पर सामने आती रहती हैं।

सप्लाई नेटवर्क पर उठ रहे सवाल

स्थानीय लोगों का कहना है कि केवल खुदरा विक्रेताओं पर कार्रवाई करने के बजाय अवैध सप्लाई नेटवर्क तक पहुंचना आवश्यक है। सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि निर्माण, भंडारण और वितरण से जुड़े लोगों के खिलाफ निरंतर अभियान चलाया जाए तथा क्षेत्रीय स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

कार्रवाई के बाद बढ़े बाजार भाव

प्रतिबंधित उत्पाद होने के बावजूद इसकी मांग बनी हुई है। हालिया छापेमारी के बाद बाजार में दोहरा की उपलब्धता कम होने से इसके दामों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। स्थानीय व्यापारिक और सामाजिक सूत्रों के अनुसार मांग के मुकाबले आपूर्ति घटने के कारण कीमतों में तेजी आई है।

स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार दोहरा का सेवन गंभीर बीमारियों, विशेष रूप से मुंह के कैंसर का प्रमुख कारण माना जाता है। इसमें तंबाकू और अन्य हानिकारक रसायनों का मिश्रण होता है, जो लंबे समय तक सेवन करने पर जानलेवा साबित हो सकता है।

एएसपी के विशेष अभियान में पकड़ी गई थी बड़ी खेप

हाल ही में अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव के निर्देशन में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान कोतवाली क्षेत्र के शकरमंडी इलाके में एक दुकान की आड़ में संचालित दोहरा निर्माण और बिक्री के अवैध कारोबार का खुलासा हुआ था। कार्रवाई के दौरान करीब 2 क्विंटल 34 किलो प्रतिबंधित दोहरा बरामद किया गया था तथा दो लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

बिना बाप के बेटी की शादी जिला पंचायत सदस्य ने कराई

ऐसे नेक कार्य के लिए लोगों को आगे आना चाहिए

नेक कार्य

डीडीयू नगर। क्षेत्र के तारनपुर गांव निवासिनी बेवा प्रेमा देवी के परिवार की स्थिति ठीक नहीं होने के कारण उसकी छोटी लड़की लड़की की शादी टूटने के कगार पर पहुंच गई। तभी प्रेमा देवी समाजसेवी व जिला पंचायत सदस्य बबीता यादव पत्नी चन्द्रशेखर जो रेलवे में टीटीई विभाग में कार्यरत से जाकर मिली। बबीता ने पूरी बात सुनकर घोंघारे मंदिर में शादी शुक्रवार को करा दी।जो क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया। धरती कुमारी के पिता की मौत एक वर्ष पूर्व हो गई थी इसी बीच लड़का पक्ष की ओर से शादी करने के लिए धरती के मां उपर दबाव पड़ने लगा।पति के मौत के बाद परिवार की आर्थिक स्थिति खराब हो गई थी। शादी टूटने के कगार पर पहुंच गई। तभी पीड़िता प्रेमा देवी समाजसेवी व जिला पंचायत सदस्य बबीता देवी से भेंटकर पूरी बात बताई। बबीता देवी ने अपने खर्चे पर शादी कराने के लिए तैयार हो गई। शुक्रवार को सेन्ट्रल कालोनी स्थित घोंघारे मंदिर में शादी समारोह कर रीति-रिवाज के साथ धूम-धाम से शादी करा दिया इस दौरान दोनों पक्ष के लोग मौजूद रहे। इस बाबत समाजसेवी व रेलवे विभाग में टीटीई चन्द्रशेखर ने कहा कि इस बेटी की शादी पहले ही तय हो चुकी थी, । लेकिन दुर्भाग्यवश शादी से पहले ही इनके पिताजी का देहांत हो गया। पिताजी के गुजर जाने के बाद परिवार की आर्थिक स्थिति खराब हो गई और शादी करने का कोई साधन नहीं बचा। जिसके कारण शादी टल गई।

सीएम आवास योजना के लाभार्थियों को राज्यमंत्री ने सौंपी चाभी

सौंपी चाभी

बाराबंकी। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ग्राम पंचायत महमूदाबाद में भव्य रात्रि चौपाल का आयोजन हुआ। कंपोजिट विद्यालय महमूदाबाद के सामने आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मंत्री जी द्वारा छोटे बच्चों को अन्नप्राशन कराकर किया गया। उन्होंने बच्चों को स्वस्थ एवं उज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया। इसके उपरांत चौपाल में उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों एवं उपलब्धियों की विस्तार से जानकारी दी। साथ ही कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया है। सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंच रहा है। गरीबों को आवास, किसानों को सहायता, महिलाओं को सशक्तिकरण तथा युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। चौपाल के दौरान विभिन्न योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को मौके पर ही लाभान्वित किया गया। मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना के अंतर्गत चयनित किसानों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को उनके नए पक्के मकानों की प्रतीकात्मक चाभी सौंपकर गृह प्रवेश की शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित स्टॉल भी लगाए गए जहां ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान, महिलाएं, युवा, ग्रामवासी, जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

'प्लास्टिक के खतरे एवं अवशिष्ट के निस्तारण' विषयक व्याख्यान आयोजित

व्याख्यान

लखीमपुर खीरी। भगवानदीन आर्य कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शासन के निदेर्शानुसार केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर समेकित जनकल्याण एवं जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत ₹प्लास्टिक के खतरे और अवशिष्ट के निस्तारण₹ विषय पर प्रो रेखा पाण्डेय, दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष ने व्याख्यान दिया। साथ ही कहा कि प्लास्टिक पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बड़ा खतरा है। इसका बहुतायत में उपयोग होना मानव, पशु-पक्षी तथा समुद्री जीवों के लिए एक समस्या है। प्लास्टिक भूमि, जल एवं वायु को प्रदूषित करती हैं तथा विभिन्न रोगों को जन्म देती है, इसलिए इसके उपयोग से हम सबको बचना चाहिए एवं स्वयं जागरूक होने के साथ अपने आस-पास के लोगों को भी जागरूक करना चाहिए। इसके निस्तारण हेतु हमें अपनी भारतीय परंपरा को अपनाना चाहिए। प्लास्टिक के स्थान पर कपड़े या जूट के बने थैलों, मिट्टी के बर्तन एवं पत्तों से बनी थाली इत्यादि का उपयोग करना चाहिए जिससे हम अपने बीच से प्लास्टिक को हटा सकते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि हम सब प्लास्टिक का उपयोग करने से बचें और इस तरह स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत के निर्माण में अपना सहयोग देकर अपने कर्तव्य को पूरा करें। इस अवसर पर शिवांगी सक्सेना असिस्टेंट प्रोफेसर संगीत विभागाध्यक्ष ने व्याख्यान देते हुए कहा कि हम सबका कर्तव्य है कि सरकार द्वारा आयोजित जागरूकता अभियान को सफल बनाने में मिलकर अपना योगदान दें तभी विकसित भारत 2047 का सपना साकार हो पाएगा। कार्यक्रम में अधिक संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

पिता की डांट से नाराज होकर घर से गये किशोर को पुलिस ने परिजनों को सौंपा

बांदा। पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देशन में चलाये जा रहे अभियान ह्यआपरेशन मुस्कानह्न के क्रम में थाना जसपुरा पुलिस द्वारा पिता की डांट से नाराज होकर गए 14 वर्षीय किशोर का पता लगाकर सकुशल उसके परिजनों को सुपुर्द किया गया है। गौरतलब हो कि कल थाना जसपुरा क्षेत्र के ग्राम सिकहुला के रहने वाले बलवीर सिंह द्वारा शाम में थाना जसपुरा पर सूचना दी गई कि वह अपने पुत्र को डांट दिया था जिससे नाराज होकर वह घर से बिना बताए कहीं चला गया है। काफी खोजबीन की लेकिन पता नहीं चल पाया। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक थाना जसपुरा ऋषिदेव सिंह द्वारा तत्काल टीमों का गठन करते हुए गांव जाकर आस-पास के लोगों से पूछताछ करते हुए देर रात्रि ग्राम सिकहुला के जंगल से सकुशल बरामद कर उसके परिजनों को सुपुर्द किया गया। पूछताछ में किशोर ने बताया कि पिता जी की डांट की वजह से गुस्से व डर के कारण जंगल में चला आया था। पुलिस टीम द्वारा किशोर को समझाया गया कि माता-पिता की बातों से नाराज होकर घर छोड़ना उसके लिए जोखिमपूर्ण हो सकता है तथा भविष्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर अपने माता-पिता एवं परिवारजनों से बातचीत करे तथा परिजनों को भी बच्चों के साथ संयमित व्यवहार करने तथा उनकी भावनाओं को समझते हुए उचित मार्गदर्शन देने की सलाह दी गई। किशोर एवं परिजनों द्वारा भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न होने का आश्वासन दिया गया तथा पुलिस टीम की प्रशंसा करते हुए हृदय से धन्यवाद दिया।

मानव स्वास्थ्य के लिये हानिकारक हैं स्लीपवेल एवं कम्फर्ट ब्रांड की मच्छरमार अगरबत्ती

हानिकारक

बहराइच। जिला कृषि रक्षा अधिकारी प्रिया नन्दा ने बताया कि बाजारों में मच्छरों को मारने एवं नियंत्रण करने हेतु बिक रहे स्लीपवेल एवं कम्फर्ट ब्रांड की अगरबत्ती जिसमे हरबल, प्राकृतिक, आर्गेनिक तत्व होने की जानकारी दी जाती है जबकि विभिन्न राज्यो के राजकीय प्रयोगशाला तथा भारत सरकार के केन्द्रीय प्रयोगशाला के जॉच में यह तथ्य प्रकाश में आया है। कि उक्त अगरबत्ती के निर्माण मे अपंजीकृत कीटनाशक विशेष रुप से डाइमेफ्लुथ्रिन एवं मेपरफ्लुथ्रिन का उपयोग हो रहा है जो कीटनाशी अधिनियम 1968 एवं नियमावली 1971 की धारा 9 (3) का स्पष्ट रुप से उल्लंघन है। जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने बताया कि स्वास्थ के दृष्टकोण से डाइमेफ्लुथ्रिन एवं मेपरफ्लुथ्रिन रसायन खतरनाक तथा अत्यन्त जहरीला कीटनाशक रसायन होता है जिसके लगातार प्रयोग होने से मनुष्य मे फेफड़े, मस्तिष्क, किडनी, पेट व हृदय संबंधी गम्भीर बीमारी होने का खतरा बना रहता है। उन्होंने आम जनमानस को सुझाव दिया कि स्लीपवेल एवं कम्फर्ट नाम की अगरबत्ती का मच्छर नियंत्रण करने हेतु उपयोग मे न लाए। मच्छरों से बचने के लिए मच्छरदानी तथा फुल आस्तीन के वस्त्र का प्रयोग करें। प्रिया नन्दा ने कीटनाशक प्रतिष्ठानों, पेस्ट कंट्रोल आपरेटर्स एवं किराना दुकानों के प्रोपराइटर को निर्देशित किया है कि स्लीपवेल एवं कम्फर्ट ब्राण्ड की अगरबत्ती का क्रय-विक्रय अथवा भण्डारण न करें।

प्रभारी मंत्री ने सुल्तानपुर दौरे पर मजबूती से रखा सरकार का पक्ष

बैठक

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जिले के प्रभारी मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने शनिवार को सुलतानपुर दौरे के दौरान वैश्विक हालात और देश की आर्थिक स्थिति पर केंद्र सरकार का पक्ष मजबूती से रखा। साथ ही कहा कि अमेरिका-ईरान तनाव के कारण पूरी दुनिया में ईंधन संकट और महंगाई की आशंकाएं बढ़ी हैं,लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत इन चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर रहा है।

कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के बाद आयोजित प्रेस वार्ता में प्रभारी मंत्री ने कहा कि कई देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें और आपूर्ति संकट चिंता का विषय बने हुए हैं जबकि भारत में आम जनता को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी गई है। केंद्र सरकार की दूरदर्शी नीतियों के कारण देश की अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ आगे बढ़ रही है।

श्री यादव ने कहा कि देश की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लगातार तीसरी बार नेतृत्व सौंपकर विकास और सुशासन पर अपनी मुहर लगाई है। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार के कार्यकाल में आधारभूत संरचना, गरीब कल्याण, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य समेत सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व विकास हुआ है।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की प्राथमिकता जनता तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना और विकास को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने अधिकारियों को विकास योजनाओं में गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह, विधायक सीताराम वर्मा, विधायक राज प्रसाद उपाध्याय, जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह, पुलिस अधीक्षक चारु निगम, एडीएम रत्नप्रिया, एडीएम वित्त एवं राजस्व राकेश सिंह, सीडीओ विनय सिंह समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

नियमित योग करने से शरीर संतुलित एवं स्वस्थ रहता है: योगाचार्य

शिविर

गोण्डा। आवास विकास स्थित प्रेरणा पार्क में आम जनमानस के उत्तम स्वास्थ हेतु नियमित रूप से संचालित योग शिविर में योगाचार्य सुधांशु द्विवेदी ने उपस्थित समस्त योग साधकों को योगाभ्यास करवाया और उससे होने वाले लाभ पर भी प्रकाश डाला। शिविर में उपस्थित समस्त योग साधकों ने पूर्ण उत्साह के साथ योगाभ्यास किया। योगाचार्य ने समस्त योग साधकों को गर्मियों में बढ़ते तापमान और लू से बचने के लिए शीतली प्राणायाम और शीतकारी प्राणायाम सबसे अधिक लाभदायक है। ये प्राणायाम प्राकृतिक रूप से शरीर के तापमान को कम करते हैं, मन को शांत करते हैं और तनाव या एसिडिटी से राहत दिलाते हैं। इसी क्रम में योगाचार्य ने योग साधकों के लिए विशेष लाभकारी आसनों का अभ्यास करवाया ताड़ासन, भुजंगासन, पूर्णतितली-आसान, सूर्य नमस्कार, सूक्ष्म व्यायाम, सिंहासन के साथ कपालभाति प्राणायाम, अनुलोम-विलोम प्राणायाम आदि का अभ्यास करवाया गया। अंत में योगाचार्य ने कहा कि यदि आप नियमित रूप से योग करते हैं तो आपके शरीर में ऊर्जा का संचार होगा। योगाभ्यास शरीर को स्वस्थ बनाता है, क्योंकि यह हमें रोगों से लड़ने की शक्ति देता है। हृदय रोग, मधुमेह, अस्थमा जैसी कई अन्य बीमारियों से बच जाते हैं। नियमित योग करने से शरीर संतुलित व सुडौल के साथ ही स्वस्थ रहता है। सभी लोगों को योग अपने दिनचर्या में अनिवार्य रूप से शामिल करना चाहिए। शिविर में शिवपूजन, अश्विनी, मनीष दुबे, मनोज शुक्ला, विजय, प्रदीप, डॉ एसपी वर्मा, शमीम खान, हेमू, महेश, संतोष गुप्ता, प्रमिला, रश्मि, गरिमा, पूनम, सुधा, जया, अंश, लक्ष्मी आदि अन्य लोग मौजूद रहे।

निबंधन कार्यालय के निजीकरण के विरोध में इकौना तहसील के अधिवक्ताओं का प्रदर्शन, राज्यपाल के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

ज्ञापन

इकौना, श्रावस्ती। निबंधन कार्यालय के निजीकरण एवं फ्रंट कार्यालय खोले जाने के प्रस्ताव के विरोध में इकौना तहसील के अधिवक्ताओं ने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया। अधिवक्ताओं ने तहसील गेट से लेकर तहसील परिसर तक नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया तथा महामहिम राज्यपाल महोदया, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी पीयूष जायसवाल को सौंपा।प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि निबंधन संबंधी कार्यों का निजीकरण किए जाने से अधिवक्ता, दस्तावेज लेखक, स्टांप विक्रेता, मुंशी सहित हजारों लोगों की आजीविका प्रभावित होगी। उनका कहना था कि इस व्यवस्था से लगभग पांच हजार से अधिक लोगों के रोजगार पर संकट उत्पन्न हो जाएगा।

अधिवक्ताओं का कहना था कि यदि निबंधन कार्यालय का निजीकरण किया जाता है तो विक्रय पत्र, दान पत्र एवं अन्य दस्तावेजों के पंजीकरण के लिए निजी कंपनियों को अतिरिक्त शुल्क देना पड़ सकता है, जिससे आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा और उन्हें अनावश्यक कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष उदय राज पांडेय ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि यदि सरकार द्वारा निबंधन कार्यालय के निजीकरण के निर्णय को वापस नहीं लिया गया तो अधिवक्ता व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। वहीं, अधिवक्ता संघ के महामंत्री राजेंद्र मिश्रा ने कहा कि सरकार की नीतियों से विभिन्न वर्गों के हित प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि निजीकरण से आमजन को अधिक मूल्य चुकाना पड़ेगा तथा अधिवक्ताओं और उनसे जुड़े लोगों के परिवारों के समक्ष आजीविका का संकट खड़ा हो जाएगा।पूर्व अध्यक्ष दिलीप कुमार शर्मा ने कहा कि विभिन्न सरकारी सेवाओं के निजीकरण से आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ने की आशंका है। उन्होंने सरकार से जनहित को ध्यान में रखते हुए निबंधन व्यवस्था के निजीकरण के प्रस्ताव पर पुनर्विचार करने की मांग की।इस अवसर पर इकौना तहसील के अनेक अधिवक्ता, दस्तावेज लेखक, स्टांप विक्रेता एवं अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

वजीरगंज दरोगा के बिगड़े बोल, बोले ब्राह्मणों को देखकर खौलता है खून

माँ को बाल पकड़ कर घसीटा, बाप बेटे को लात घूसों से बेरहमी से पीटा, डीआईजी कि तनी निगाहें

बिगड़े बोल

वजीरगंज । ये है गोण्डा का वजीरगंज थाना, यहां की हकीकत सुनाने लगेंगे तो पत्थर भी आंसू बहाने लगेंगे। यहां योगी व अधिकारियों का निर्देश नही बल्कि बेखौफ थानेदार का अपना नियम कानून चलता है। जिसके चलते फरियादियों को तमाम दुश्वरियों का सामना करना पड़ रहा है, बावजूद इसके सरकार के योगी सरकार के मंशा पर पानी फेरने वालों पर जिम्मेदारों की निगाहें नही जाती, जिसके चलते इनका पुलिसिया तांडव यहां बढ़ता ही जा रहा है, जिससे आम जनता को न्याय के लिए दर दर भटकना पड़ रहा है। बताते चलें कि रक्षक से भक्षक बने वजीरगंज थाने कि पुलिस से जनता त्रस्त है। इन्साफ माँगने से पहले ही पीड़ितों की सांसे यहाँ बढ़ जाती है। क्योंकि यहां वही होता है जो थानेदार विपुल पाण्डेय व हल्का दरोगा एवं सिपाही चाहते हैं। और तो और यहां बड़े पैमाने पर महिलाओं का भी शोषण होता है, यहां अभद्र गालियां सुनकर महिलाएं शर्मसार हो जाती है मगर थानेदार व हल्का दरोगा को कोई फर्क नही पडता। ऐसा ही एक मामला ग्राम भगोहर का है जहां की रहने वाली महिला बिमला तिवारी पत्नी सूबेदार का आरोप है कि पारिवारिक विवाद मे घर पहुंचे हल्का दरोगा अवधेश पाल ने बिना किसी पूछ ताछ के उसे भद्दी भद्दी गालियां देते हुए बाल पकड़ कर घसीटा, जिसे बचाने आये उसके पति के सीने पर जोरदार घूसा मारा, जिससे वो जमीन पर गिरकर बेहोश हो गया. पत्नी जब बोली साहब इनकी दवा चल रही है उसे लें आने दो तब भी बेलगाम दरोगा को तरस न आया और बोला मर जाने दो साले को, इसके बाद इसके बाद अवधेश पाल व सिपाही जयंत यादव ने घसीट कर सभी को गाड़ी मे बिठा लिया, पीड़िता के बेटे पंकज का आरोप है कि इस दौरान थाने पर लाते समय हैवानो कि तरह ये लोग उसे पीटते रहे। इसके बाद जब थाने पर लाया गया तो यहां तैनात एसएसआई वेदराम यादव के रूप मे मानो सामने साक्षात यमराज आ गया हो, पंकज तिवारी का आरोप है कि वेदराम यादव ने उसे देख कर कहा था कि ब्राह्मणों को देखकर मेरा खून खौलता है मन तो करता है इन्हे गोली मार दें, इतना कहकर पीड़ित का जनेऊ तोड़ दिया गया। और पीड़ित को उस कमरे मे बंद करके लात घूसों से बर्बरता पूर्वक पीटा गया जहां सीसी टीवी कैमरा नही है। चर्चा है कि यहां सीएम योगी के निदेर्शों की खुलेआम धज्जियाँ उड़ाई जा रही है। जिससे सरकार की छवि धूमिल हो रही है। बहरहाल पीड़िता ने बेटे के साथ जाकर नवागत डीआईजी अशोक कुमार शुक्ला को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार की है। जहाँ से डीआईजी ने न्याय दिलाने का पूरा आश्वासन दिया है।अब देखना तो यह है कि नवागत डी आई जी इस पर कितना ध्यान देते हैं, बहरहाल थानेदार व दरोगा सिपाही से डरे पीड़ितों की भी निगाहे नवागत डीआईजी पर टिकी है उन्हें पूर्ण विश्वास है कि डीआईजी साहब जल्द ही थाने की कानून व्यवस्था को सुधारेंगे।

विश्व प्रवाह
आवाज! जन-जन की...
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सम्पादकीय

कटती जमीन, उजड़ते गांव

गंगा भारतीय सभ्यता की जीवनरेखा है। इसकी धारा ने सदियों से खेतों को उपजाऊ बनाया, शहरों को बसाया और करोड़ों लोगों की आजीविका को सहारा दिया। लेकिन यही गंगा आज बिहार के दियारा क्षेत्रों में रहने वाले हजारों परिवारों के लिए हर वर्ष भय, असुरक्षा और विस्थापन का कारण बन रही है। मानसून के साथ नदी का बढ़ता कटाव सैकड़ों एकड़ उपजाऊ भूमि, मकानों और लोगों की जीवनभर की कमाई को निगल जाता है। बाढ़ का पानी कुछ दिनों में उतर जाता है, लेकिन कटाव से उजड़े परिवारों का दर्द वर्षों तक नहीं मिटता। यही कारण है कि गंगा का कटाव केवल प्राकृतिक घटना नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और मानवीय संकट है। बिहार में बाढ़ पर हर साल चर्चा होती है, राहत पैकेज घोषित होते हैं और बचाव कार्यों की समीक्षा भी होती है। इसके विपरीत गंगा कटाव का संकट अक्सर सीमित प्रशासनिक कार्रवाई तक सिमट जाता है। जिन किसानों की पुश्तैनी जमीन नदी में समा जाती है, उनके लिए न तो पर्याप्त पुनर्वास की व्यवस्था है और न ही कोई दीर्घकालिक नीति। परिणामस्वरूप हर मानसून हजारों परिवार इस आशंका में जीते हैं कि अगला नंबर कहीं उनके घर या खेत का न हो। मुंगेर, खगड़िया, बेगूसराय, भागलपुर, कटिहार, भोजपुर, पटना, लखीसराय और सारण सहित गंगा के किनारे बसे अनेक जिले वर्षों से इस त्रासदी का सामना कर रहे हैं। नदी का बदलता प्रवाह खेतों, बगीचों और आबादी वाले इलाकों को लगातार काटता हुआ आगे बढ़ता है। इससे केवल भूमि का नुकसान नहीं होता, बल्कि कृषि आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी कमजोर पड़ती है। जिन परिवारों की आजीविका पूरी तरह खेती पर निर्भर है, उनके सामने जीवन का गंभीर संकट खड़ा हो जाता है। बिहार के मुंगेर जिले के सदर प्रखंड का टीकारामपुर इस समस्या का जीवंत उदाहरण है। यहां पिछले कई वर्षों से ग्रामीण स्थायी कटावरोधी उपायों की मांग कर रहे हैं। हाल के महीनों में कटाव की रफ्तार इतनी तेज हुई कि बड़ी मात्रा में उपजाऊ कृषि भूमि गंगा में समा गई।

बचपन की असुरक्षा और समाज की विफलता

ओमप्रकाश मेहता

> यही कारण है कि इस घटना को केवल एक क्राइम स्टोरी की तरह पढ़ना पर्याप्त नहीं होगा।

राजस्थान के श्रीगंगानगर में एक तेरह वर्षीय छात्रा के साथ कथित सामूहिक यौन उत्पीड़न का मामला केवल एक आपराधिक घटना नहीं है। यह उस सामाजिक संकट का संकेत है, जिसकी आहट वर्षों से सुनाई दे रही है, लेकिन जिसे हम हर नई घटना के बाद कुछ दिनों के आक्रोश में भुला देते हैं। प्रारंभिक जांच के अनुसार एक नाबालिग छात्रा को कई दिनों तक बंधक बनाकर उसके साथ गंभीर अपराध किए जाने के आरोप हैं। पुलिस ने कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है और जांच जारी है। न्यायालय का अंतिम निर्णय अभी आना बाकी है, इसलिए किसी निष्कर्ष पर पहुँचना जल्दबाजी होगी। लेकिन इस घटना ने एक बार फिर उस प्रश्न को हमारे सामने खड़ा कर दिया है, जिससे बचना अब संभव नहीं—क्या भारत अपने बच्चों, विशेषकर अपनी बेटियों, को सुरक्षित बचपन दे पा रहा है?

हर बार जब ऐसी कोई घटना सामने आती है, तो हमारा सार्वजनिक विमर्श लगभग एक जैसा होता है। राजनीतिक बयान आते हैं, सोशल मीडिया पर आक्रोश उमड़ता है, कठोर दंड की मांग उठती है और कुछ दिनों बाद सब कुछ सामान्य हो जाता है। लेकिन अपराध सामान्य नहीं होते। वे समाज की गहराइयों में मौजूद उन विकृतियों का परिणाम होते हैं, जिन्हें हम लंबे समय तक अनदेखा करते रहते हैं। इसलिए श्रीगंगानगर की घटना को केवल पुलिस कार्रवाई या अदालत की प्रक्रिया तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। यह हमारे सामाजिक चरित्र, नैतिक शिक्षा, प्रशासनिक सतर्कता और लोकतांत्रिक संवेदनशीलता की सामूहिक परीक्षा है।

भारत में बाल यौन हिंसा का संकट नया नहीं है। पिछले डेढ़ दशक में ऐसे मामलों की रिपोर्टिंग बढ़ी है। इसका एक कारण यह भी है कि बच्चों के यौन शोषण को लेकर समाज में पहले की तुलना में अधिक जागरूकता आई है और पॉक्सो कानून के लागू होने के बाद शिकायत दर्ज कराने का रास्ता अपेक्षाकृत स्पष्ट हुआ है। लेकिन इसके साथ यह भी सच है कि बच्चों के विरुद्ध यौन अपराध आज भी भयावह स्तर पर मौजूद हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े लगातार बताते हैं कि हर वर्ष हजारों बच्चे यौन हिंसा का शिकार होते हैं। इनमें अधिकांश पीड़ित बच्चियां होती हैं और बड़ी संख्या में उनकी आयु किशोरावस्था से भी कम होती है।

इन आंकड़ों का सबसे भयावह पक्ष यह नहीं कि अपराध बढ़ रहे हैं, बल्कि यह है कि अधिकांश मामलों में अपराधी कोई अजनबी नहीं होता। वह परिवार का परिचित, पड़ोसी, रिश्तेदार, मित्र या ऐसा व्यक्ति होता है जिस पर बच्चा और उसका परिवार भरोसा करता है। यानी खतरा बाहर से कम और भीतर से अधिक है। यह तथ्य हमारी पारंपरिक सुरक्षा की समझ को बदल देता है। हम बच्चों को अनजान लोगों से सावधान रहना सिखाते हैं, लेकिन क्या उन्हें यह भी सिखाते हैं कि किसी परिचित द्वारा अनुचित व्यवहार होने पर वे बिना भय अपनी बात कह सकें?

समाजशास्त्री लंबे समय से यह कहते रहे हैं कि किसी भी समाज में महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध हिंसा केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं होती। वह उस सामाजिक सोच का परिणाम होती है जिसमें शक्ति, प्रभुत्व और स्त्री के प्रति असमान दृष्टि गहराई से मौजूद होती है। जब स्त्री को बराबरी के मनुष्य के बजाय नियंत्रण और उपभोग की वस्तु की तरह देखने वाली मानसिकता संस्कृति, भाषा, मनोरंजन और रोजमर्रा के व्यवहार में सामान्य होने लगती है, तब उसके सबसे भयावह रूप बच्चों के विरुद्ध अपराधों में दिखाई देते हैं। इसलिए केवल अपराधियों को राक्षस कह देने से समस्या का समाधान नहीं होगा। यह भी देखना होगा कि ऐसी मानसिकता पैदा कैसे होती है और समाज उसे रोकने में क्यों विफल रहता है।

भारतीय समाज का एक बड़ा विरोधाभास यही है कि एक ओर हम कन्या पूजन करते हैं, स्त्री को शक्ति का स्वरूप बताते हैं, दूसरी ओर बच्चियों के प्रति हिंसा की खबरें लगातार सामने आती रहती हैं। यह विरोधाभास केवल धार्मिक या सांस्कृतिक नहीं, बल्कि सामाजिक व्यवहार का प्रश्न है। सम्मान का अर्थ केवल प्रतीकात्मक पूजा नहीं, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में सुरक्षा, समानता और गरिमा सुनिश्चित करना है। यदि एक बच्ची अपने घर, स्कूल, पड़ोस या सार्वजनिक स्थानों पर भी स्वयं को सुरक्षित महसूस नहीं करती, तो हमारी सांस्कृतिक घोषणाएँ खोखली सिद्ध होती हैं।

कानून, राजनीति और बिहार की चुनावी सरगर्मी

चेतन उपाध्याय

> इसी बीच जनता दल (यूनाइटेड) ने अशोक चौधरी के बयान से स्वयं को अलग कर लिया। पार्टी के वरिष्ठ नेता और मंत्री श्रवण कुमार ने स्पष्ट कहा कि यह अशोक चौधरी की व्यक्तिगत राय है, न कि पार्टी या सरकार का आधिकारिक दृष्टिकोण। उन्होंने यह भी कहा कि भरत तिवारी के घर उनका दौरा निजी था और सार्वजनिक पद पर बैठे लोगों को अपने वक्तव्यों में संयम और सावधानी बरतनी चाहिए। यहीं से यह प्रकरण केवल पुलिस कार्रवाई का नहीं, बल्कि राजनीतिक संदेशों का भी विषय बन गया। एक ओर सरकार के एक मंत्री निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं और पुलिस कार्रवाई पर प्रश्न उठा रहे हैं, तो दूसरी ओर उनकी ही पार्टी उस बयान को व्यक्तिगत राय बताकर उससे दूरी बना रही है। इससे यह संकेत मिलता है कि सरकार के भीतर इस विषय पर एकरूपता नहीं है।

बिहार में बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव की सरगर्मियों के बीच कानून-व्यवस्था का प्रश्न एक बार फिर राजनीतिक बहस के केंद्र में आ गया है। भोजपुर जिले में भरत भूषण तिवारी की पुलिस मुठभेड़ में हुई मृत्यु ने इस बहस को और तीखा कर दिया है। यह मामला अब केवल एक पुलिस कार्रवाई तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सत्ता पक्ष, विपक्ष और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के भीतर भी अलग-अलग प्रतिक्रियाओं का कारण बन गया है। विकास, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ कानून-व्यवस्था एक बार फिर राजनीतिक बहस का प्रमुख विषय बनती दिखाई दे रही है। भोजपुर जिले में भरत भूषण तिवारी की पुलिस मुठभेड़ में हुई मृत्यु ने इसी बहस को नई दिशा दे दी है। यह मामला अब केवल एक पुलिस कार्रवाई तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सत्ता पक्ष, विपक्ष और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के भीतर भी अलग-अलग प्रतिक्रियाओं का कारण बन गया है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी पुलिस मुठभेड़ का मूल्यांकन दो स्तरों पर होता है। पहला, क्या पुलिस ने कानून के अनुरूप कार्रवाई की? दूसरा, क्या पूरी घटना की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच हुई? यदि इन दोनों प्रश्नों के स्पष्ट और विश्वसनीय उत्तर नहीं मिलते, तो स्वाभाविक रूप से संदेह, राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप और जनचर्चा का दौर शुरू हो जाता है। भोजपुर की घटना भी इसी मोड़ पर खड़ी दिखाई देती है।

इस पूरे घटनाक्रम को सबसे अधिक राजनीतिक महत्व तब मिला, जब बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी भरत तिवारी के परिजनों से मिलने उनके गांव पहुंचे। उन्होंने प्रथम दृष्टया पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह मामला पुलिस के ओवर रिएक्शन जैसा प्रतीत होता है। उन्होंने स्थानीय प्रशासन की भूमिका पर भी प्रश्न उठाए और कहा कि यदि जांच में किसी स्तर पर लापरवाही या साजिश सामने आती है तो दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भरत भूषण तिवारी गंगा कटाव से विस्थापित परिवारों की समस्याओं को लगातार उठाते रहे थे और इस कारण स्थानीय प्रशासन उनसे नाराज था।

किसी मंत्री का ऐसा बयान सामान्य प्रशासनिक टिप्पणी नहीं माना जाता। सरकार का सदस्य जब पुलिस कार्रवाई पर सार्वजनिक रूप से प्रश्न उठाता है, तो उसका राजनीतिक और प्रशासनिक महत्व स्वतः बढ़ जाता है। इससे यह संदेश भी जाता है कि सरकार के भीतर ही घटना को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोण मौजूद हैं। हालांकि, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि ऐसी टिप्पणियां अंतिम निष्कर्ष नहीं होतीं; किसी भी घटना का सत्य विधिवत जांच के बाद ही स्थापित होता है।

इसी बीच जनता दल (यूनाइटेड) ने अशोक चौधरी के बयान से स्वयं को अलग कर लिया। पार्टी के वरिष्ठ नेता और मंत्री श्रवण कुमार ने स्पष्ट कहा कि यह अशोक चौधरी की व्यक्तिगत राय है, न कि पार्टी या सरकार का आधिकारिक दृष्टिकोण। उन्होंने यह भी कहा कि भरत तिवारी के घर उनका दौरा निजी था और सार्वजनिक पद पर बैठे लोगों को अपने वक्तव्यों में संयम और सावधानी बरतनी चाहिए। यहीं से यह प्रकरण केवल पुलिस कार्रवाई का नहीं, बल्कि राजनीतिक संदेशों का भी विषय बन गया। एक ओर सरकार के एक मंत्री निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं और पुलिस कार्रवाई पर प्रश्न उठा रहे हैं, तो दूसरी ओर उनकी ही पार्टी उस बयान को व्यक्तिगत राय बताकर उससे दूरी बना रही है। इससे यह संकेत मिलता है कि सरकार के भीतर इस विषय पर एकरूपता नहीं है।

दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी और एनडीए के अन्य घटकों के भीतर भी इस मुद्दे पर विभिन्न स्वर सुनाई दे रहे हैं। कुछ नेताओं ने पुलिस कार्रवाई का समर्थन किया है, जबकि कुछ ने जांच पूरी होने तक संयम बरतने की बात कही है। लोकतांत्रिक राजनीति में मतभेद असामान्य नहीं होते, लेकिन चुनावी समय में ऐसे मतभेद अधिक चर्चा का विषय बन जाते हैं, क्योंकि उनका प्रभाव राजनीतिक संदेश और जनधारणा दोनों पर पड़ता है।

इस पूरे प्रकरण में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न अभी भी वही है, जो किसी भी लोकतांत्रिक समाज में होना चाहिए—क्या घटना की निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय जांच होगी? यदि पुलिस की कार्रवाई कानूनसम्मत थी, तो जांच उसे स्पष्ट करेगी। यदि कहीं प्रक्रिया का उल्लंघन हुआ या किसी अधिकारी की भूमिका संदिग्ध पाई गई, तो जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। कानून का शासन इसी संतुलन पर आधारित होता है कि न तो अपराध पर पर्दा डाला जाए और न ही पुलिस को कानून से ऊपर माना जाए।

इसी कारण भरत तिवारी प्रकरण अब बिहार की राजनीति में एक ऐसे मुद्दे के रूप में उभर रहा है, जहां कानून, प्रशासन और चुनावी राजनीति एक-दूसरे से जुड़ते दिखाई दे रहे हैं।

ओटीपी और पासवर्ड

आजकल ओटीपी और पासवर्ड को लेकर लोग भारी परेशान हैं ,हर जगह या तो पासवर्ड बताओ या फिर ओटीपी ,हाल तो ये है कि देश के सबसे बड़े स्टेट बैंक से यदि एकमुश्त दस हजार रुपए एटीएम से निकालना चाहे तो वो पहले ओटीपी मांगता है इसलिए आजकल आदमी दो बार में पांच पांच हजार निकाल लेता है कि ओटीपी न बताना पड़े। ऑनलाइन सामान बुलवाओ डिलीवरी बॉय तब तक सामान नहीं देगा जब तक आप ओटीपी नहीं बताओगे। अरे भैया हमने पैसा दे दिया, तुम सामान ले आए, घर का पता तुम्हें मालूम है, घर में कोई पड़ोसी तो रहने आएगा नहीं, रहेगा तो वही आदमी जिसने आर्डर दिया होगा लेकिन नहीं पहले ओटीपी बताओ तब जाकर माल की डिलीवरी होगी। लोग बाग आजकल सोशल मीडिया पर बड़े एक्टिव है फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, ईमेल, सब पर लगे हुए लेकिन सबका पासवर्ड चाहिए अगर आप अपना पासवर्ड भूल गए तो समझ लो आपका बंटाधार तय है। लाख कोशिश कर लो ना आपका फेसबुक खुलेगा, ना जीमेल खुलेगी, ना इंस्टाग्राम खुलेगा, ना व्हाट्सएप खुलेगा ,इतना तो बचपन में पाठ याद करने में टाइम नहीं लगता था जितना आजकल पासवर्ड याद रखने में लगता है। यही हाल क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, एटीएम का भी है सब में पहले पासवर्ड डालो तब जाकर पैसा निकलेगा कार्ड भी दसियों हो गए हैं एटीएम कार्ड, वोटर कार्ड, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस कार्ड, गाड़ी का रजिस्ट्रेशन कार्ड, समग्र आईडी का कार्ड, पैन कार्ड, एम्पलाई कार्ड और अब बच्चों के लिए अपार कार्ड भी बनाना तय हो गया है आदमी का पर्स कार्डों से भरा हुआ है कब कौन सा कार्ड सरकार मांग ले कोई भरोसा नहीं, किस कार्ड के आधार पर यह बता दिया जाए कि आप भारत के नागरिक नहीं है कोई कुछ नहीं कह सकता।ओटीपी का तो हाल ये हो जाएगा कि प्रेमी प्रेमिका से बात करना चाहता है तो बोलेगी पहले ओटीपी बताओ तब बात करना, पति-पत्नी के साथ रोमांस करना चाहेगा तो पत्नी बोलेगी पहले पासवर्ड बताओ या फिर ओटीपी। हाल ये हो जायेंगे कि मरीज का अस्पताल में ऑपरेशन होना है वो ऑपरेशन टेबल पर लेटा हुआ है डॉक्टर हाथ में कैंची चाकू लिए तैयार खड़ा है लेकिन तब तक ऑपरेशन नहीं कर रहा जब तक मरीज अपना पासवर्ड या ओटीपी नहीं बता देता मरीज मर जाए उससे कोई लेना-देना नहीं जब तक ओटीपी नहीं आएगा तब तक डॉक्टर हाथ नहीं लगाएगा ।

पेट्रोल में एथनाल: आखिर ये माजरा क्या है?

श्रुति व्यास

> यह भी बताया कि ई-20 पेट्रोल का इस्तेमाल फिलहाल एक प्रयोग के तौर पर किया जा रहा है।

भारत में इन दिनों पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनाल का मिश्रण किये जाने यानी ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल से होने वाले नुक़सान को लेकर बहस छिड़ गयी है। इसके प्रयोग से देश भर से वाहनों के इंजन खराब होने की खबरें मीडिया में आने लगी हैं। ई20 उपभोक्ता अब न केवल इसकी शिकायतें करने लगे हैं बल्कि जगह जगह इसे लेकर धरना प्रदर्शन भी होने लगे हैं। गत दिनों तो दिल्ली के जंतर मंतर पर भी ई20 मिश्रित पेट्रोल के विरोध में प्रदर्शन किया गया।और इससे वाहनों को होने वाले नुक़सान को लेकर सरकार को अवगत कराया गया। भारत में हो रहे इसके विरोध व इसके इस्तेमाल से आ रही परेशानियों व वाहनों को हो रहे कथित नुक़्सान की खबरों के बीच पड़ोसी देश भूटान ने भी भारतीय तेल कंपनियों से एथनाल मिश्रित ई 20 पेट्रोल वहां न भेजने व केवल पूर्व में भेजा जा रहा केवल शुद्ध ढ100 जैसे पेट्रोल की आपूर्ति करने को कहा है। भूटान द्वारा इसका कारण यह बताया गया है कि पेट्रोल पंपों पर भण्डारण के पुराने भूमिगत फ़्यूल टैंक में ई 20 पेट्रोल के भण्डारण की वजह से पानी के रिसाव का जोखिम है जिससे एथनाल मिश्रित ईंधन खराब हो सकता है। क्योंकि इथेनॉल की प्रवृति नमी को आकर्षित करने वाली होती है और वातावरण से नमी लेने पर ईंधन की गुणवत्ता घट सकती है और इंजन में अनेक प्रकार की समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा पहाड़ी इलाके में स्टोरेज और सप्लाई श्रृंखला को आधुनिक करना भी आवश्यक होगा, जिसमें तत्काल परिवर्तन करना जोखिमपूर्ण माना गया। भूटान द्वारा अपनी आपत्ति में पहाड़ी रास्तों में वाहन के परफार्मेंस पर भी फर्क पड़ने का संदेह व्यक्त किया गया है।

भारत में भी देश भर से गाड़ियों के खराब होने,गाड़ियों की पेट्रोल टंकी के गलने व जंग लगने,माइलेज कम होने व इंजन के खराब होने तक की शिकायतें आने लगी हैं। और उधर इसी ई 20 पेट्रोल की आपूर्ति व खपत की आड़ में शुद्ध पेट्रोल यानी एक्सपी100 का मूल्य 167 रुपए प्रति लीटर तक हो गया है। एथनाल के उपयोग से केवल गाड़ियां ही खराब नहीं हो रही हैं बल्कि इसके उत्पादन में भी पानी का भी बेतहशा दुरूपयोग किया जा रहा है जिससे भविष्य में यह जलसंकट का कारण भी बन सकता है। गौरतलब है कि एथनॉल का उत्पादन चावल ,मक्का और गन्ना आदि की फसलों से होता है। और इन सभी फसलों की पैदावार में बेतहाशा पानी का इस्तेमाल होता है। इसके बाद जब इसी फसल से एथनॉल बनाया जाता है तो इसमें और भी ज्यादा पानी खर्च होता है। मिसाल के तौर पर चावल से 1 लीटर एथनॉल बनाने में लगभग 10790 लीटर पानी खर्च होता है जबकि मक्का से 1 लीटर एथनॉल बनाने में करीब 4670 लीटर पानी की खपत होती है इसी तरह गन्ने से मात्र 1 लीटर एथनाल बनाने में तकरीबन 3630 लीटर पानी लगता है। गोया पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण की नीति देश के जल बचाने के अभियान के ठीक विरुद्ध जलसंकट खड़ा करने में भी सहायक हो सकती है। जरा सोचिये कि जब ई20 पेट्रोल की आपूर्ति में जल का इतना इस्तेमाल होता है तो यदि भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की इच्छानुसार पेट्रोल में 85 प्रतिशत मिश्रण कर ई85 की आपूर्ति की योजना पर अमल किया गया तो भारत जैसे उस देश में पानी के अकाल को कैसे टाला जा सकेगा जहां के कई इलाकों में पहले ही पीने का पानी लोगों को मयस्सर नहीं है? हालांकि अब खबर यह भी आ रही है कि भारी विरोध के बीच केंद्र सरकार अब ई25 पेट्रोल को लागू करने की योजना को फिलहाल टाल सकती है। सरकारी सूत्रों के अनुसार सरकार अब इस ई25 बदलाव को जल्दबाजी में लागू करने के बजाय चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने पर विचार कर रही है।

देश में पेट्रोल में एथनाल के मिश्रण को लेकर कुछ जिम्मेदार लोगों के विरोधाभासी बयान भी सुनाई दे रहे हैं। इसकी वजह से आम लोगों में एथनाल के मिश्रण के प्रति अविश्वास व भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। मिसाल के तौर पर टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के कंट्री हेड और एग्जीक्युटिव वाईस प्रेसिडेंट विक्रम गुलाटी ने अपने एक इंटरव्यू में पहले तो यह स्वीकार किया था कि ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल से बेशक फ़्यूल एफि शिएंसी में कुछ कमी आती है। परन्तु बाद में उन्होंने ही प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसे परफॉर्मेंस के मामले में बेहतरीन ईंधन भी बता डाला। इसी तरह भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के बायोफ़्यूलस के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनुराग सरावगी ने भी स्वीकार किया था कि एथनॉल मिश्रित पेट्रोल का इस्तेमाल करने से गाड़ियों की माइलेज में 30 प्रतिशत तक कमी आ सकती है। इतना ही नहीं बल्कि भारत के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने गत 30 जून को सर्वोच्च न्यायलय में एक सुनवाई के दौरान अदालत को यह भी बताया कि ई-20 पेट्रोल का इस्तेमाल फिलहाल एक प्रयोग के तौर पर किया जा रहा है।

कीचड़ और जलभराव के बीच निकली शव यात्रा, व्यवस्था पर उठे सवाल

उठे सवाल

प्रवाह ब्यूरो

संभल। लगातार चार दिनों से हो रही बारिश ने शहर की सड़कों की बदहाली उजागर कर दी है। वार्ड संख्या-02 स्थित हातिम सराय प्रजापति मोहल्ले में शनिवार को उस समय मार्मिक और दर्दनाक दृश्य देखने को मिला, जब एक युवक की अंतिम यात्रा को गंदगी, कीचड़ और जलभराव से भरे रास्ते से होकर श्मशान घाट तक ले जाना पड़ा। यह दृश्य देखकर स्थानीय लोगों का आक्रोश फूट पड़ा और उन्होंने नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए। मोहल्ला निवासी 32 वर्षीय कलवा पुत्र जगपाल का शनिवार को आकस्मिक निधन हो गया। शाम करीब छह बजे परिजन, रिश्तेदार और मोहल्लेवासी नम आंखों से उनकी अंतिम यात्रा लेकर श्मशान घाट के लिए निकले, लेकिन मृतक के घर से लगभग 30 मीटर तक का रास्ता पूरी तरह पानी, कीचड़ और गंदगी से लबालब भरा हुआ था। मजबूरन लोगों को जूते-चप्पल हाथों में उठाकर उसी दलदलनुमा रास्ते से गुजरना पड़ा। अंतिम यात्रा के दौरान मौजूद लोगों ने इसे बेहद पीड़ादायक और शर्मनाक स्थिति बताया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या नई नहीं है। वर्षों से मोहल्ले में नाला निर्माण और सड़क मरम्मत की मांग की जा रही है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया। हाल ही में सड़क की बदहाली को लेकर मोहल्लेवासियों ने प्रदर्शन भी किया था, इसके बावजूद हालात जस के तस बने हुए हैं। मोहल्ला निवासी जयपाल सिंह ने बताया कि शव यात्रा निकालने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि इसी मार्ग पर शनिदेव का मंदिर स्थित है, जहां प्रत्येक शनिवार को बड़ी संख्या में महिलाएं पूजा-अर्चना के लिए आती हैं। जलभराव और कीचड़ के कारण श्रद्धालुओं को भी रोजाना कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि वार्ड सदस्य और नगर पालिका चेयरमैन से कई बार शिकायत की गई, लेकिन आज तक समस्या का समाधान नहीं हुआ।

बारिश के बाद सामने आई इस तस्वीर ने नगर पालिका की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही सड़क और नाले का निर्माण नहीं कराया गया तो बरसात के पूरे मौसम में उन्हें इसी तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

हरित भविष्य की ओर बढ़ा बदायूं, वृहद पौधरोपण अभियान में जुटा पूरा प्रशासन

वितरण

प्रवाह ब्यूरो

बदायूं। पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से रविवार को बदायूं जिले में वृहद पौधरोपण अभियान का भव्य शुभारंभ हुआ। जिले में एक ही दिन में 50 लाख 20 हजार 200 पौधे लगाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया। सुबह से ही वन विभाग सहित सभी सरकारी विभागों की टीमें अपने-अपने निर्धारित स्थलों पर पौधरोपण में जुट गईं। शाम तक 40 लाख से अधिक पौधे लगाए जा चुके थे, जबकि निर्धारित लक्ष्य को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए अभियान लगातार जारी रहा। अभियान का मुख्य कार्यक्रम बिसौली वन रेंज के अंतर्गत गंगा एक्सप्रेस-वे के किलोमीटर 174.3 स्थित वजीरगंज वनकोटा में आयोजित किया गया। यहां केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा और राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बविता चौहान ने फलदार एवं छायादार पौधे रोपकर अभियान का शुभारंभ किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने कहा कि पेड़-पौधे केवल पर्यावरण की रक्षा नहीं करते, बल्कि मानव जीवन के सबसे मजबूत आधार हैं। यदि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा, संतुलित जलवायु और सुरक्षित भविष्य देना है, तो पौधरोपण को जनभागीदारी का अभियान बनाना होगा। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। पौधे जीवित रहेंगे तभी यह अभियान अपने वास्तविक उद्देश्य को प्राप्त कर सकेगा। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बविता चौहान ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और बढ़ते प्रदूषण के इस दौर में पौधरोपण सबसे बड़ा सामाजिक दायित्व बन चुका है। यदि प्रत्येक नागरिक हर वर्ष कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी जिम्मेदारी निभाए, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा परिवर्तन लाया जा सकता है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उन्हें सुरक्षित रखने का आह्वान किया। अभियान के नोडल अधिकारी एवं जीएसटी कमिश्नर नितिन बंसल ने बिनावर क्षेत्र में गंगा एक्सप्रेस-वे के किनारे पौधरोपण किया। उन्होंने बताया कि जिले के सभी विभागों को उनके लक्ष्य आवंटित कर दिए गए हैं तथा पौधरोपण की प्रगति पर कंट्रोल रूम के माध्यम से लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि निर्धारित लक्ष्य समय पर पूरा किया जा सके। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता, सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता, बिल्सी विधायक हरीश शाक्य, डीसीबी चेयरमैन जेके सक्सेना, डीएफओ विनीता सिंह, एसडीओ जगन्नाथ कश्यप, वन क्षेत्राधिकारी सदर विकास वरुण, वन क्षेत्राधिकारी बिसौली मनोज कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। जनपद में चलाया गया यह महाअभियान केवल पौधरोपण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, जनभागीदारी और हरित भविष्य के निर्माण का सामूहिक संकल्प बनकर उभरा।

गगन यादव की उम्मीदवारी के बाद गरमाया गुन्नौर का चुनावी माहौल

डीपी यादव का मास्टरस्ट्रोक, आरपीडी से युवा चेहरे गगन यादव को सौंपी गुन्नौर की कमान

माहौल

जन्मदिन बना चुनावी शंखनाद, समारोह में दिखा जबरदस्त जनसमर्थन।

प्रवाह ब्यूरो

संभल। गुन्नौर विधानसभा की राजनीति में शनिवार को बड़ा घटनाक्रम देखने को मिला। धनारी स्थित डीपी फार्म पर आयोजित विशाल जनसभा में राष्ट्रीय परिवर्तन दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री डीपी यादव ने युवा नेता गगन यादव को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए गुन्नौर सीट से पार्टी का अधिकृत प्रत्याशी घोषित कर दिया। गगन यादव का जन्मदिन समारोह इस दौरान शक्ति प्रदर्शन में बदल गया, जहां हजारों समर्थकों की मौजूदगी ने चुनावी माहौल को नई दिशा दी।

डीपी यादव ने कहा कि गुन्नौर की जनता बदलाव चाहती है और इसी भावना के अनुरूप पार्टी ने एक युवा चेहरे पर भरोसा जताया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने और भ्रष्टाचार व बेईमानी की राजनीति के खिलाफ जनसमर्थन जुटाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय परिवर्तन दल प्रदेशभर में अपने संगठन का विस्तार करेगा और इसकी शुरूआत गुन्नौर से हो चुकी है।

गगन यादव ने कार्यकताओं का आभार जताते हुए कहा कि वे युवाओं, किसानों, व्यापारियों और आम जनता के मुद्दों को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जनता ने एक मौका दिया तो गुन्नौर की राजनीति में नई कार्यशैली स्थापित करेंगे।

सभा के दौरान समाजवादी पार्टी के विधायक राम खिलाड़ी सिंह यादव के दामाद अनिल यादव का मंच पर गगन यादव के समर्थन में आना भी चर्चा का विषय रहा। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विचार अलग हो सकते हैं, लेकिन वह तन, मन और धन से गगन यादव के साथ खड़े रहेंगे।

कार्यक्रम में डीपी यादव ने यक्षदेव आर्य और दुष्यंत कुमार को चुनाव प्रचार के लिए नई गाड़ी की चाबी भी सौंपी। उल्लेखनीय है कि अहीर रेजिमेंट की मांग को लेकर सक्रिय रहे गगन यादव को युवाओं के बीच मजबूत पहचान हासिल है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि उनकी उम्मीदवारी से गुन्नौर विधानसभा का चुनावी मुकाबला और अधिक रोचक हो सकता है।

अमरोहा में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का शुभारंभ, 36.51 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य

शुभारंभ

प्रवाह ब्यूरो

अमरोहा। अमरोहा में रविवार को 'वृक्षारोपण महायज्ञ-2026' के तहत 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का शुभारंभ हुआ। उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग के उपाध्यक्ष सूर्य प्रकाश पाल ने पुलिस लाइन परिसर में रुद्राक्ष का पौधा रोपित कर अभियान की शुरूआत की।

इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी, विधायक राजीव तरारा, जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़, पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव, नगर पालिका अध्यक्ष शशि जैन सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और स्कूली बच्चों ने भी पौधारोपण किया।

मुख्य अतिथि सूर्य प्रकाश पाल ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी मां के नाम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का संकल्प ले, क्योंकि यही आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ पर्यावरण और हरियाली का आधार बनेगा। विधायक राजीव तरारा ने वृक्षों को जीवन का आधार बताते हुए सभी से भारत माता और अपनी मां के सम्मान में पौधारोपण करने का आह्वान किया।

जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने बताया कि जनपद को 36,51,900 पौधे लगाने का लक्ष्य मिला है। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता से यह अभियान जनआंदोलन का रूप ले चुका है और पौधारोपण के साथ उनकी नियमित देखभाल भी उतनी ही आवश्यक है।

गंगा चढ़ी तो बढ़ी चिंता, छह गांवों के निकट पहुंचा पानी

बढ़ी चिंता

हरिद्वार और बिजनौर से बढ़े जल प्रवाह ने तटीय गांवों में बढ़ाई बाढ़ की आशंका।

प्रवाह ब्यूरो

संभल। पहाड़ी क्षेत्रों में पिछले कई दिनों से हो रही लगातार मूसलधार बारिश का असर अब गंगा के जलस्तर पर साफ दिखाई देने लगा है। हरिद्वार और बिजनौर से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण राजघाट गंगा घाट और नरौरा गंगा बैराज पर गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। इससे गंगा किनारे बसे गांवों में बाढ़ की आशंका गहरा गई है और ग्रामीणों में चिंता का माहौल है।

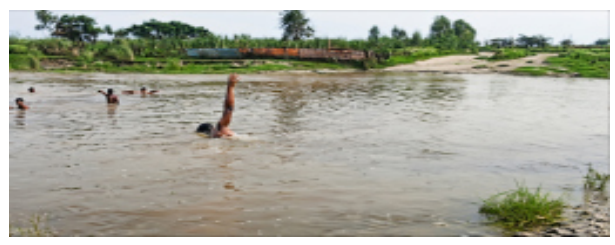

गुन्नौर क्षेत्र के गांव इसामपुर डंडा के जंगलों में स्थित खेतों तक गंगा का पानी पहुंच चुका है। यदि जलस्तर इसी रफ्तार से बढ़ता रहा तो गंगा के खतरे के निशान तक पहुंचने में अधिक समय नहीं लगेगा। प्रशासन ने हालात पर लगातार नजर रखते हुए निगरानी बढ़ा दी है।

बढ़ते जलस्तर से रघुपुर पुख्ता, मेंगरा, नरूपुरा, सालिंग की मड़इयां, मैदावली, तोतापुर, बझांगी समेत कई तटीय गांवों के लोगों की चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि हरिद्वार और बिजनौर से पानी छोड़े जाने का सिलसिला जारी रहा तो गंगा किनारे कटान शुरू हो सकता है, जिससे खेती के साथ-साथ आबादी पर भी खतरा मंडरा सकता है।

हालांकि फिलहाल गंगा खतरे के निशान से नीचे बह रही है, लेकिन लगातार बढ़ते जलस्तर ने लोगों की बेचैनी बढ़ा दी है। रविवार को नरौरा बैराज पर गंगा का डाउन स्ट्रीम जलस्तर 177.68 मीटर दर्ज किया गया, जबकि खतरे का निशान 178.765 मीटर है। बैराज से 67,201 क्यूसेक पानी का प्रवाह रिकॉर्ड किया गया।

उधर, जुनावई क्षेत्र के तटीय इलाकों में भी बाढ़ की आशंका गहराने लगी है। गंगा का पानी साधू मढी आश्रम से लगभग 50 मीटर दूर स्थित नाले तक पहुंच गया है। इसे देखते हुए प्रशासन ने राहत एवं बचाव तैयारियों को और तेज कर दिया है।

जुनावई क्षेत्र में बांध के अंदर बसे रघुपुर पुख्ता, बझांगी, सालिंग की मड़इयां, भावरू की मड़इयां, नरूपुरा की मड़इयां, तोतापुर, उदिया नगला, मेंगरा और नगला रखूपुर पुख्ता सहित नौ गांव हर वर्ष बाढ़ की मार झेलते हैं। इस बार भी जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि से इन गांवों के लोग संभावित बाढ़ को लेकर सतर्क हैं।

संभावित बाढ़ से निपटने के लिए तहसील प्रशासन ने पहले ही तैयारियां पूरी कर ली हैं। पूरे क्षेत्र में 16 बाढ़ चौकियां स्थापित की गई हैं और प्रशासनिक टीमें लगातार जलस्तर की निगरानी कर रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन गंगा के जलस्तर में हो रही लगातार वृद्धि को देखते हुए पूरी सतर्कता बरती जा रही है।

कीचड़ में दबी विकास की राह, मदाला फतेहपुर की सड़क पर चलना बना चुनौती

जलभराव और गहरे गड्ढों से हर दिन जोखिम भरा सफर, ग्रामीण बोले- अब नहीं, तुरंत हो सड़क निर्माण

जलभराव

प्रवाह ब्यूरो

संभल। असमोली थाना क्षेत्र के गांव मदाला फतेहपुर की मुख्य सड़क इन दिनों बदहाली की कहानी बयां कर रही है। सड़क पर जगह-जगह बने गहरे गड्ढों में बारिश का पानी भर जाने से पूरा मार्ग कीचड़ में तब्दील हो गया है। हालात ऐसे हैं कि इस रास्ते से गुजरना किसी चुनौती से कम नहीं रह गया है। रोजाना सैकड़ों ग्रामीण, स्कूली बच्चे, किसान और वाहन चालक इसी मार्ग से आवागमन करते हैं, लेकिन खराब सड़क के कारण उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क लंबे समय से जर्जर हालत में है, लेकिन जिम्मेदार विभाग की ओर से अब तक न तो इसकी मरम्मत कराई गई और न ही जल निकासी की कोई प्रभावी व्यवस्था की गई। बारिश के बाद सड़क पर जलभराव होने से दोपहिया वाहन चालकों के फिसलने का खतरा लगातार बना रहता है। कई लोग गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं, जबकि बुजुर्गों और स्कूली बच्चों के लिए यह रास्ता और अधिक कठिन साबित हो रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर जमा कीचड़ और गंदा पानी न केवल आवागमन में बाधा बन रहा है, बल्कि आसपास के वातावरण को भी अस्वच्छ बना रहा है। बरसात का मौसम शुरू होते ही स्थिति और गंभीर हो गई है। यदि समय रहते सड़क का निर्माण और जल निकासी की व्यवस्था नहीं की गई तो आने वाले दिनों में समस्या और विकराल रूप ले सकती है।

ग्रामीणों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि मामले का तत्काल संज्ञान लेकर सड़क की मरम्मत कराई जाए तथा स्थायी जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। क्षेत्रवासियों का कहना है कि विकास के दावों के बीच यह सड़क आज भी बुनियादी सुविधाओं की हकीकत उजागर कर रही है। वही जब इस संबंध में संबंधित स्थानीय अधिकारियों को अवगत कराया गया तो वे भी कोई ठोस आश्वासन देने की वजह एक दूसरे पर पल्ला झाड़ते हुए बचते नजर आए।

माँ की तरह करें पौधों की सेवा, तभी सफल होगा अभियान : गुलाब देवी

हरियाली का महाकुंभ बना थरैसा जयसिंह, 500 से अधिक पौधों से गूंजा पर्यावरण संरक्षण का संदेश

अभियान

हरियाली की ओर बढ़ा संभल, शिक्षामंत्री गुलाब देवी ने भी हरी लगाया संकरी पौधा।

प्रवाह ब्यूरो

संभल। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए रविवार को जनपद संभल में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चंदौसी तहसील क्षेत्र के विकास खंड पंवासा के गांव थरैसा जयसिंह स्थित कृषि विभाग के तालाब पर आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश की माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री गुलाब देवी ने पौधरोपण कर अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान विभिन्न विभागों के सहयोग से 500 से अधिक पौधे लगाए गए और पूरे परिसर में हरियाली का संकल्प गूंज उठा।

रविवार सुबह 11:30 बजे शुरू हुआ कार्यक्रम दोपहर 1:30 बजे तक चला। पौधरोपण के साथ पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, विद्यार्थियों और ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल का संकल्प लिया।

राज्यमंत्री गुलाब देवी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इसी उद्देश्य से इस वर्ष पूरे प्रदेश में 35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि जब ये पौधे बड़े होंगे तो प्रदेश को हराभरा बनाएंगे, वातावरण को स्वच्छ करेंगे और आने वाली पीढ़ियों को शुद्ध ऑक्सीजन उपलब्ध कराएंगे।

उन्होंने पौधों के संरक्षण पर विशेष जोर देते हुए कहा कि पौधे लगाना जितना महत्वपूर्ण है, उनकी देखभाल उससे कहीं अधिक आवश्यक है। युवाओं और बच्चों से उन्होंने भावुक अपील करते हुए कहा कि जिस प्रकार वे अपनी मां की सेवा करते हैं, उसी समर्पण और स्नेह से इन पौधों की भी देखभाल करें। तभी यह अभियान सफल होगा और प्रकृति का संतुलन सुरक्षित रहेगा।

कार्यक्रम के दौरान एनसीसी कैडेट्स ने बैंड की मधुर धुनों के साथ राज्यमंत्री का भव्य स्वागत किया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने मां सरस्वती वंदना सहित पांच रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। देशभक्ति, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता से जुड़े कार्यक्रमों ने समारोह को और भी आकर्षक बना दिया।

इस अवसर पर मुरादाबाद-बरेली शिक्षक क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी डॉ. हरिसिंह ढिल्लों, भाजपा जिलाध्यक्ष चौधरी हरेंद्र सिंह, मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, जिला पंचायत सदस्य अवधेश प्रताप सिंह, वन विभाग की अधिकारी प्रीति यादव, ब्लॉक प्रमुख पति हिरदेश यादव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, शिक्षक, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत आयोजित यह वृक्षारोपण महाअभियान केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का सामूहिक संकल्प भी बन गया।

किट्स की मदद से कलाकारी

डिफरेंट आर्ट वर्क के लिए अलग-अलग तरह के किट मार्केट में मौजूद हैं, बच्चे अपने आर्ट वर्क को देखते हुए इन्हें सिलेक्ट कर सकते हैं। आर्ट एंड क्राफ्ट की फील्ड में जितनी वैरायटी आ गई है, अब उतने ही वेरिएशन उनके किट्स में भी आ चुके हैं। डिफरेंट आर्ट वर्क के लिए अब अलग-अलग तरह के किट मार्केट में मौजूद हैं, बच्चे अपने आर्ट वर्क को ध्यान में रखते हुए इन्हें सिलेक्ट कर सकते हैं।

इको क्राफ्ट किट

यदि बच्चे कुछ पॉजिटिव आर्ट वर्क करना चाहते हैं, तो उनके लिए इको क्राफ्ट जैसे ऑप्शन बेहतर होंगे। इसमें रीसाइकल पेपर से लेकर वुडन बटन्स तक रहते हैं, जिसकी मदद से अर्थ फ्रेंडली क्राफ्ट बच्चे तैयार कर सकते हैं।

कलाइडोस्कोप के लिए मटेरियल

कलाइडोस्कोप बनाने के लिए अब तुम्हें अलग-अलग चीजें ढूंढने की जरूरत नहीं। इसके लिए भी किट मौजूद है, जिसकी मदद से तुम अपना मनपसंद कलाइडोस्कोप तैयार कर सकते हो। कुछ किट्स में तो 12 कलाइडोस्कोप बनाने तक के मटेरियल रहते हैं।

क्राफ्ट के लिए और भी जरूरी हैं कई चीजें

पेंट : इन्हें तुम पेंटब्रश, स्टिक्स, मार्बल, बबल या फिंगर की मदद से यूज कर सकते हो।
वुडन स्टिक : पपेट्स, स्टिक बिल्डिंग और आर्टिफिशियल फ्लावर्स बनाने में बड़े काम के साबित होते हैं।
बीड्स : होममेड ज्वैलरी के लिए या डेकोरेशन के लिए बीड्स का इस्तेमाल कर सकते हो।
किड्स फ्रेंडली सीजर : अब ऐसे सीजर्स अवेलेबल हैं, जिससे बच्चों को चोट लगने का खतरा कम रहता है।

कुछ चीजें हैं आस-पास

आर्ट एंड क्राफ्ट में यूज होने वाली कुछ ऐसी चीजें भी होती हैं जो तुम्हारे घर में वेस्ट के रूप में रहती हैं लेकिन तुम इन्हें अपने आर्ट वर्क को और बेहतर बनाने के लिए प्रयोग में ला सकते हो, जैसे:

खाली टॉयलेट पेपर रोल खाली टिशू बॉक्स
शूज बॉक्सेस प्लास्टिक कप्स दवाइयों की खाली शीशी
बेकार बटन्स बबल रैप पेपर बैग किचन स्पोंज

यह है डॉल हॉस्पिटल!

बड़े चाव से तुमने कोई डॉल खरीदी और उसमें कुछ समय बाद ही टूट-फूट हो जाए तो तुम्हारा दिल भी टूट जाता है लेकिन यह जानकर तुम्हें खुशी भी होगी कि सिडनी में 101 साल पुराना एक ऐसा हॉस्पिटल है, जो सिर्फ डॉल्स के इलाज के लिए है। 1913 में हैरॉल्ड चैपमैन ने अपने जनरल स्टोर के साथ ही एक डॉल हॉस्पिटल भी खोला था। उस समय हैरॉल्ड के भाई सेल्युलॉयड डॉल्स जापान से इम्पोर्ट करने का काम करते थे। डॉल्स को लाने के दौरान कई बार उनमें टूट-फूट हो जाया करती थी और उसे देखकर ही हैरॉल्ड को उन्हें रिपेयर करने का आइडिया आया।
जब लोगों को पता चला कि हैरॉल्ड डॉल्स को रिपेयर करने का काम करते हैं तो वो लोग अपनी टूटी डॉल, सॉफ्ट एनिमल टॉय लेकर पहुंचने लगे और इस तरह डॉल हॉस्पिटल का जन्म हुआ। अब इस डॉल हॉस्पिटल को देखने का काम हैरॉल्ड के पोते करते हैं। अपने दादाजी और पिताजी के पैशन को आगे बढ़ाते हुए ज्यॉफ चैपमैन उसी लगन से काम कर रहे हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि जेनरेशन के साथ-साथ डॉल हॉस्पिटल और भी एडवांस हो गया है।
इस हॉस्पिटल में आने वाली डॉल्स की रेंज काफी बड़ी है जिसमें मॉडर्न डॉल से लेकर एंटीक डॉल्स भी रिपेयर होने के लिए आती हैं। यहां तक कि सूटकेस, हैंडबैग, छाते जैसी चीजों को भी लोग रिपेयर करवाने पहुंचते हैं। अभी तक इस हॉस्पिटल में 30 लाख डॉल्स बीमार होकर आईं और ठीक होकर गई हैं। ब ड़े चाव से तुमने कोई डॉल खरीदी और उसमें कुछ समय बाद ही टूट-फूट हो जाए तो तुम्हारा दिल भी टूट जाता है लेकिन यह जानकर तुम्हें खुशी भी होगी कि सिडनी में 101 साल पुराना एक ऐसा हॉस्पिटल है, जो सिर्फ डॉल्स के इलाज के लिए है।

असली अस्पतालों जैसा

यह डॉल हॉस्पिटल सामान्य हॉस्पिटल की तरह ही रियल दिखता है। इसमें डॉल को रिपेयर करने का काम उसकी जरूरत और उस समय जो स्पेशलिस्ट मौजूद होता है उसके अनुसार किया जाता है। यहां 12 लोगों का स्टाफ है और हरेक डॉक्टर के पास अलग-अलग स्पेशलाइजेशन है।

इस कुएं में मौजूद है 30 किलोमीटर लंबी खुफिया सुरंग

पूरी दुनिया में तमाम ऐसे रहस्य हैं जिनके बारे में इंसान आज तक पता नहीं लगा पाया.इनमें से बहुत से रहस्य तो हमारे ही देश में मौजूद है जो आज भी लोगों को आश्चर्य में डाल देते हैं.आज हम आपको एक ऐसे ही रहस्य के बारे में बताने जा रहे हैं.बता दें कि पुराने जमाने में राजा-महाराजा अक्सर अपने राज्य में जगह-जगह कुआं खुदवाते रहते थे.जिससे जनता के लिए पानी की कमी न हो.उस जमाने में हर स्थान पर तमाम कुएं मिल जाया करते थे.जिनके अवशेष आज भी पाए जाते हैं.आज हम आपको एक ऐसे ही कुएं के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके बारे में कहा जाता है कि इसमें एक खुफियाय सुरंग बनाई गई थी.
इस कुएं को 'रानी की बावड़ी' के नाम से जाना जाता है.दरअसल, बावड़ी का मतलब सीढ़ीदार कुआं होता है.'रानी की बावड़ी' का इतिहास 900 साल से भी ज्यादा पुराना है.अब इस बावड़ी को देखने के लिए हजारों पर्यटक हर साल यहां पहुंचते हैं.साल 2014 में यूनेस्को ने इसे विश्व विरासत स्थल घोषित किया था. ये बावड़ी गुजरात के पाटण में स्थित है जिसे रानी की वाव भी कहा जाता है.
कहते हैं कि रानी की वाव यानी बावड़ी का निर्माण 1063 ईस्वी में सोलंकी राजवंश के राजा भीमदेव प्रथम की स्मृति में उनकी पत्नी रानी उदयामति ने करवाया था.रानी उदयमति जूनागढ़ के चूड़ासमा शासक रा खेंगार की पुत्री थीं.
रानी की वाव 64 मीटर लंबी, 20 मीटर चौड़ी और 27 मीटर गहरी है.यह भारत में अपनी तरह का सबसे अनोखी वाव है. इसकी दीवारों और स्तंभों पर बहुत सी कलाकृतियां और मूर्तियों की शानदार नक्काशी की गई है.इनमें से अधिकांश नक्काशियां भगवान राम, वामन, नरसिम्हा, महिषासुरमर्दिनी, कल्कि आदि जैसे अवतारों के विभिन्न रूपों में भगवान विष्णु को समर्पित हैं.ये बावड़ी सात मंजिला है जो मारू-गुर्जर वास्तु शैली का साक्ष्य है.यह करीब सात शताब्दी तक सरस्वती नदी के लापता होने के बाद गाद में दबी हुई थी. नन्हे गजराज को पकड़ने के लिए गन्ने का लालच दे रहा था युवक, वीडियो में देखें जब बच्चे को आया गुस्सा तो हुआ क्या
इसे भारतीय पुरातत्व विभाग ने फिर से खोजा और साफ-सफाई करवाई.उसके बाद यहां पर्यटकों का आना जाना शुरु हो गया.कहते हैं कि इस विश्वप्रसिद्ध सीढ़ीनुमा बावड़ी के नीचे एक छोटा सा गेट भी है, जिसके अंदर करीब 30 किलोमीटर लंबी सुरंग बनी हुई है.यह सुरंग पाटण के सिद्धपुर में जाकर खुलती है.ऐसा माना जाता है कि पहले इस खुफिया सुरंग का इस्तेमाल राजा और उसका परिवार युद्ध या फिर किसी कठिन परिस्थिति में करते थे. लेकिन अब ये सुरंग पत्थरों और कीचड़ों की वजह से बंद हो गई है.

रहस्यमयी पेड़, छूते ही करता है इंसानों जैसी हरकत, गुदगुदी करने पर हंसता है

दरअसल, कालाढूंगी के जंगलों में एक ऐसा पेड़ है जो बिल्कुल इंसानों की तरह ही हरकते करता है। इस पेड़ को इंसानों की तरह गुदगुदी होती है। जब कोई इस पेड़ को हाथ लगता है तो उस पेड़ को गुदगुदी शुरू हो जाती है। उसकी टहनियां और पत्तियां हंसने लगती है। इस पेड़ के तने में अगर अंगुलियां रगड़ी जाएं तो इसकी शाखाएं हिलने लगती है। इसी वजह से इस पेड को हंसने वाला पेड़ भी कहा जाता है। दूर दूर से लोग इस जंगल में इस पेड़ को देखने आते हैं। इस हंसने वाले पेड़ का वानस्पतिक नाम 'रेंडिया डूमिटोरम' है। इस पेड़ को हाथ लगाने पर इसे गुदगुदी क्यों होती है, इस पर कई शोध किए जा रहे हैं। इस पेड़ की गुदगुदी को देखने के लिए पर्यटक दूर दूर से आते हैं। कई लोगों खुद इस पेड़ को गुदगुदी करते हैं लोगों ने पाया कि इस पेड़ के सारे तने जोर जोर से हिलने लगते हैं। यही वजह है कि लोग इस पेड़ को देखने जंगल की गहराइयों तक पहुंचे जाते हैं।

ऐसा माना जाता है कि इंसानों की तरह पेड़-पौधों में भी जीवन होता है। भारत में कई पेड़-पोधों की पूजा भी की जाती है और उन्हें ईश्वर को दर्जा दिया जाता है। वहीं हमारे देश के जंगलों में कई रहस्य भी भरे पड़े हैं। उत्तराखंड के नैनीताल में के एक जंगल में भी एक ऐसा ही रहस्य छिपा हुआ है, जो वाकई अपने आप में हैरान करने वाला है। ये रहस्य है एक पेड़ का जो इंसानों जैसी हरकत करता है। लेकिन इसके लिए आपके इंसानों की तरह ही इसके साथ गुदगुदी करनी होगी।

समाधान

कुछ ही दिनों में राजा विक्रमसिंह ने न केवल संपूर्ण राज्य में अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करवा दीं, बल्कि उनके समुचित रूप से क्रियान्वित होने का भी ध्यान रखा जिससे संपूर्ण राज्य की प्रजा में खुशहाली छा गई।

राजा विक्रमसिंह अत्यंत चिंतित थे, कुछ ही दिनों पूर्व राज्य के एक हिस्सें में उनके खिलाफ विद्रोह करने का प्रयत्न किया गया था, जिसे राजा विक्रमसिंह ने वक्त रहते अपनी सूझबूझ तथा सेना के द्वारा नियंत्रण में कर लिया था। लेकिन इस विद्रोह ने उन्हें प्रजा में अपने प्रति बढ़ते आक्रोश का संकेत दे दिया था और यही राजा विक्रमसिंह की चिंता का मुख्य कारण था।
मंत्रीगण आप सभी का विचार है, प्रजा पुनः विद्रोह न करे इसके लिए हमें क्या करना चाहिए। राजा विक्रमसिंह ने मंत्रियों तथा सेनापति से पूछा।
महाराज, मेरा विचार है कि जिस स्थान पर आपके विरुद्ध विद्रोह हुआ है वहां के समस्त नागरिकों को राज्य से निकाल देना चाहिए। एक मंत्री ने कहा।
महाराज, मेरे विचार में हमें उस स्थान पर अत्यधिक संख्या में सेना नियुक्त कर देनी चाहिए जिससे दोबारा ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर वो तत्काल कार्यवाही कर सके और विद्रोह को उग्र रूप लने से पूर्व ही समाप्त किया जा सके। सेनापति ने सुझाव प्रस्तुत किया।
महाराज, हम भी सेनापति जी के सुझाव से सहमत हैं। कुछ मंत्रियों ने सेनापति के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए कहा।
सेनापति जी आपके द्वारा दिया गया सुझाव निश्चित रूप से विचार योग्य है, किंतु यह भी इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। ऐसा करने से उस क्षेत्र की प्रजा में यह गलत संदेश जाएगा कि हम उन पर अविश्वास करते हैं। इससे भी वहां के नागरिकों में रोष बढ़ेगा। राजा विक्रमसिंह ने कहा तो दरबार में सन्नाटा छा गया।
तत्पश्चात इस संबंध में अलग-अलग सुझाव प्रस्तुत करने लगे किंतु राजा विक्रमसिंह को कोई भी सुझाव उचित नहीं लगा।
महामंत्री जी, सभा में उपस्थित सभी मंत्रियों ने हमारे समक्ष अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए, किंतु आपने अभी तक हमें अपनी राय से अवगत नहीं कराया। हम जानना चाहते हैं कि आपकी राय में इस समस्या का क्या समाधान है।-राजा विक्रमसिंह ने महामंत्री ज्ञानसेन से पूछा।महाराज, यह अत्यंत गंभीर विषय है। अतः इस बारे में विचार करने हेतु मुझे कुछ समय की आवश्यकता है। महामंत्री ज्ञानसेन ने गंभीर स्वर में कहा।
ठीक है, महामंत्री जी। हम आपको इस विषय पर विचार करने हेतु तीन दिन का समय देते हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप इस समस्या का कोई उचित समाधान तलाश कर सकेंगे। राजा विक्रमसिंह ने कहा और सभा समाप्त हो गई।
उसी शाम राजा विक्रमसिंह, महामंत्री ज्ञानसेन के साथ शाही उद्यान में घूम रहे थे। चलते-चलते उनकी निगाह उद्यान में लगे कुछ पौधों पर पड़ी। इन पौधों के कारण पूरे उद्यान का सौंदर्य नष्ट हो रहा है! राजा विक्रमसिंह बोले तो उन्होंने एक सेवक को उन पौधों को उखाड़ने का आदेश दिया।
राजा विक्रमसिंह का आदेश पाकर सेवक उन पौधों को उखाड़ने लगा। कुछ पौधों को तो सेवक ने बेहद सरलतापूर्वक उखाड़ दिया, किंतु अन्य पौधों को उखाड़ने में उसे अत्यधिक परिश्रम करना पड़ा।
महाराज, मुझे आपकी समस्या का समाधान प्राप्त हो गया।
एकाएक महामंत्री ज्ञानसेन ने कहा।
कैसा समाधान मंत्री जी?
महाराज, इन पौधों को देखिए। इनमें से कुछ पौधे तो सरलतापूर्वक भूमि से अलग हो गए, लेकिन कुछ को उखाड़ने में बहुत मुश्किल हुई। ऐसा इसलिए, क्योंकि इन पौधों की जड़ें भूमि में अन्य पौधों की अपेक्षा अधिक गहरी तथा मजबूती से जुड़ी हुई थीं।
महामंत्री जी हम आपके कथन का अर्थ नहीं समझे?
महाराज, जिस प्रकार इन पौधों की जड़ें भूमि में गहराई तक जुड़ी हुई हैं इसलिए इन्हें भूमि से अलग करना कठिन है। उसी प्रकार यदि आपकी लोकप्रियता रूपी जड़ें भी प्रजा में काफी गहराई तक समा जाएं तो फिर जो भी आपको प्रजा से अलग करने का अर्थात विद्रोह करवाने का प्रयास करेगी उसके लिए यह कार्य अत्यंत कठिन होगा। इसके लिए आपको प्रजा के हित में विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करनी चाहिए।
किंतु समस्त प्रजा के लिए हमने तो पहले से ही अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ की हुई हैं!
महाराज, आपका कथन ठीक है। लेकिन उन योजनाओं का लाभ प्रजा को प्राप्त हो रहा है अथवा नहीं; आपके इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए। राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार भी प्रजा में असंतोष का मुख्य कारण है।-महामंत्री ज्ञानसेन ने गंभीरतापूर्वक कहा।
राजा विक्रमसिंह ने ध्यानपूर्वक महामंत्री ज्ञानसेन की बातें सुनीं और फिर उस पर अमल करना आरंभ कर दिया। कुछ ही दिनों में राजा विक्रमसिंह ने न केवल संपूर्ण राज्य में अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करवा दीं, बल्कि उनके समुचित रूप से क्रियान्वित होने का भी ध्यान रखा जिससे संपूर्ण राज्य की प्रजा में खुशहाली छा गई।
कुछ दिनों पश्चात राजा विक्रमसिंह को ज्ञात हुआ कि राज्य के एक हिस्से में पुनः विद्रोह करने का प्रयास किया गया है किंतु इस बार राजा विक्रमसिंह को कोई भी कार्यवाही करने की आवश्यकता नहीं पड़ी, क्योंकि प्रजा ने स्वयं बगावत के लिए उन्हें भड़काने वाले नागरिकों को पकड़कर राजा विक्रमसिंह के समक्ष प्रस्तुत कर दिया।
महाराज, यह सभी तो हमारे शत्रु राज्य ज्वालागढ़ के गुप्तचर हैं।सेनापति ने नागरिकों द्वारा पकड़कर दरबार में लाये गये व्यक्तियों को देखकर कहा।
महाराज, यही हमें आपके विरुद्ध भड़काते थे और विद्रोह करने के लिए प्रेरित करते थे। हमें बेहद अफसोस है कि इनकी बातों में आकर एक बार हमने विद्रोह करने का अपराध किया। उन गुप्तचरों को दरबार में उपस्तिथ करने वाले नागरिकों ने खेदपूर्वक कहा।
जो हुआ उसे भूल जाइए। हमें प्रसन्नता है कि इस बार आप सब शत्रु राज्य के गुप्तचरों के बहकावे में नहीं आए। हमें पर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी आप सब शत्रु राज्यों के गुप्तचरों के बहकावे में आकर कोई भी ऐसा कार्य नहीं करेंगे जिससे राज्य का अहित हो।
जी महाराज। राजा विक्रमसिंह की बात सुनकर दरबार में उपस्थित नागरिकों ने कहा।
तत्पश्चात राजा विक्रमसिंह ने दरबार में उपस्थित सभी नागरिकों को पुरस्कृत करके दरबार से विदा किया और महामंत्री ज्ञानसेन को भी विशेष रूप से पुरस्कृत किया, जिनकी सलाह द्वारा एक विकट समस्या का समाधान हो गया था और राज्य में अमन तथा शांति स्थापित हुई थी।

विश्व प्रवाह
आवाज! जन-जन की...
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सर्वेश बने पोडियम फिनिश करने वाले पहले भारतीय हाई जम्पर एथलीट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के हाई जंप में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी सर्वेश अनिल कुशारे ने शुक्रवार (10 जुलाई) को मोनाको में डायमंड लीग में तीसरे नंबर पर रहकर इतिहास रचा। वह डायमंड लीग में डेब्यू करते हुए शीर्ष-3 में रहने वाले पहले भारतीय बने। विश्व के दिग्गज खिलाड़ी ओलेह डोरोशचुक, पूर्व ओलंपिक चैंपियन मुताज बारशिम, वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट जान स्टेफेला और जैक किमानी जैसे दिग्गज खिलाड़ियों का मुकाबला करते हुए कुशारे 2.26 मीटर कूदकर किमानी और डोरोशचुक से पीछे रहे।

कुशारे से पहले नीरज चोपड़ा, विकास गौड़ा और श्रीशंकर मुरली वह भारतीय हैं,जो डायमंड लीग में टॉप-3 रहे हैं। महाराष्ट्र के 31 साल के कुशारे ने 2.16 मीटर की ऊंचाई से शुरुआत की और 2.26 मीटर तक आसानी से पहुंच गए, लेकिन 2.28 मीटर की ऊंचाई पार करने में उन्हें मुश्किल हुई और डायमंड लीग में डेब्यू करते हुए तीसरे स्थान पर रहे।

कुशारे का दूसरा बड़ा टूर्नामेंट

पिछले दो सालों में कुशारे के लिए यह दूसरा बड़ा टूर्नामेंट है। इससे पहले वह 2025 टोक्यो वर्ल्ड चैंपियनशिप में छठे स्थान पर रहे थे। दुनिया में 9वें स्थान पर काबिज इस सीजन में सिर्फ तीन जंपर्स ही सर्वेश के 2.31 मीटर के मार्क को बेहतर कर पाए हैं। हाल ही में भुवनेश्वर में इंटर स्टेट नेशनल चैंपियनशिप में कुशारे ने 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा।

कुशारे के नाम रिकॉर्ड

हाल ही में भुवनेश्वर में इंटर स्टेट नेशनल चैंपियनशिप में कुशारे ने 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा। सर्वेश कुशारे ने 2018 में तेजस्विन शंकर के बनाए नेशनल रिकॉर्ड को तोड़ दिया। 2022 में नेशनल गेम्स में 2.27मीटर की जंप लगाने के तीन साल बाद सर्वेश ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में 2.28 मीटर का जंप लगाकर नेशनल रिकॉर्ड अपने नाम किया।

सिनर ने जोकोविच को हराकर फाइनल में बनाई जगह

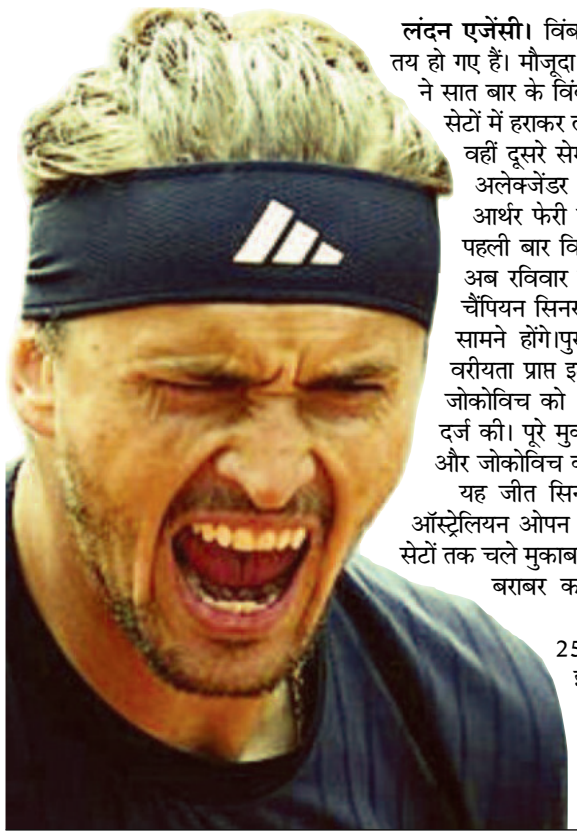

लंदन एजेंसी। विंबलडन 2026 के पुरुष एकल फाइनलिस्ट तय हो गए हैं। मौजूदा चैंपियन और विश्व नंबर-1 यानिक सिनर ने सात बार के विंबलडन विजेता नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में हराकर लगातार दूसरे वर्ष फाइनल में जगह बना ली। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में जर्मनी के दूसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने ब्रिटेन के वाइल्डकार्ड खिलाड़ी आर्थर फेरी के शानदार अभियान पर विराम लगाते हुए पहली बार विंबलडन फाइनल का टिकट हासिल किया। अब रविवार को होने वाले खिताबी मुकाबले में मौजूदा चैंपियन सिनर और फ्रेंच ओपन चैंपियन ज्वेरेव आमने-सामने होंगे।पुरुष एकल के दूसरे सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त इटली के यानिक सिनर ने अनुभवी नोवाक जोकोविच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। पूरे मुकाबले में सिनर ने आक्रामक खेल दिखाया और जोकोविच को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

यह जीत सिनर के लिए खास रही क्योंकि इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में जोकोविच ने उन्हें पांच सेटों तक चले मुकाबले में हराया था। सिनर ने उस हार का हिसाब बराबर करते हुए विंबलडन के फाइनल में प्रवेश किया। 39 वर्षीय जोकोविच का रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सपना भी इस हार के साथ टूट गया। दूसरी ओर, फ्रेंच ओपन में मिली निराशा के बाद सिनर ने साबित कर दिया कि वह पूरी तरह फिट हैं और लगातार दूसरी बार विंबलडन खिताब जीतने के प्रबल दावेदार हैं।

विंबलडन 2026 के खिताबी मुकाबले में ज्वेरेव से टक्कर

ज्वेरेव पहली बार पहुंचे विंबलडन फाइनल

पहले सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने घरेलू दर्शकों के चहेते ब्रिटिश खिलाड़ी आर्थर फेरी को 7-6 (7-0), 6-2, 6-4 से हराकर पहली बार विंबलडन फाइनल में जगह बनाई। पहला सेट बेहद रोमांचक रहा। फेरी ने शानदार संघर्ष करते हुए मुकाबले को टाई-ब्रेक तक पहुंचाया, लेकिन टाई-ब्रेक में ज्वेरेव ने 7-0 से जीत दर्ज कर मैच पर पकड़ बना ली। इसके बाद दूसरे और तीसरे सेट में उनकी दमदार सर्विस और आक्रामक ग्राउंडस्ट्रोक्स के सामने फेरी टिक नहीं सके। ज्वेरेव ने 2 घंटे 14 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया।

लगातार दूसरे ग्रैंड स्लैम खिताब के करीब

29 वर्षीय ज्वेरेव पिछले महीने रोलां गैरो (फ्रेंच ओपन) जीतकर अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुके हैं। अब वह लगातार दूसरा ग्रैंड स्लैम जीतने से सिर्फ एक जीत दूर हैं। वह विंबलडन फाइनल में पहुंचने वाले तीसरे जर्मन पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले बोरिस बेकर और माइकल स्टिच यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। इस टूर्नामेंट में ज्वेरेव ने अब तक केवल दो सेट गंवाए हैं और सोमवार को जारी होने वाली एटीपी रैंकिंग में वह फिर से विश्व नंबर-2 बन जाएंगे। अगर ज्वेरेव रविवार को खिताब जीतते हैं तो वह ओपन एरा में एक ही सीजन में फ्रेंच ओपन और विंबलडन दोनों जीतने वाले केवल सातवें खिलाड़ी बन जाएंगे।

हार के बावजूद छाए आर्थर फेरी

ब्रिटेन के 23 वर्षीय आर्थर फेरी का यादगार सफर सेमीफाइनल में समाप्त हुआ, लेकिन उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। विश्व रैंकिंग में 114वें स्थान से शुरुआत करने वाले फेरी ने दमिर जुमहुर, ओटो विर्तानेन, जिजू बर्ग्स, ग्रिगोर दिमित्रोव और फ्लावियो कोबोली जैसे खिलाड़ियों को हराकर अंतिम चार तक का सफर तय किया। उनके इस प्रदर्शन के दम पर लाइव रैंकिंग में 78 स्थानों की छलांग लगी है और वह करियर की सर्वश्रेष्ठ 36वीं रैंकिंग तक पहुंच गए हैं। उन्हें 9 लाख पाउंड की पुरस्कार राशि भी मिली, जो उनके पूरे करियर की अब तक की कुल कमाई से अधिक है।

हरमनप्रीत कौर ने रचा इतिहास

लॉर्ड्स में अर्धशतक लगाकर बनाया अनोखा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने लॉर्ड्स टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ 58 रन की शानदार पारी खेलकर इतिहास रच दिया। वह लॉर्ड्स के मैदान पर टेस्ट, वनडे और टी20 इंटरनेशनल तीनों फॉर्मेट में अर्धशतक लगाने वाली पहली भारतीय क्रिकेटर बन गई हैं। इतना ही नहीं, महिला क्रिकेट में भी यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह दुनिया की पहली खिलाड़ी हैं।

हरमनप्रीत ने लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में 121 गेंदों पर 58 रन बनाए, जिसमें सात चौके शामिल रहे। इससे पहले वह इसी मैदान पर वनडे और टी20 इंटरनेशनल में भी अर्धशतक जड़ चुकी थीं। इसी के साथ उन्होंने भारतीय क्रिकेट में एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।पुरुष क्रिकेट में कई बल्लेबाजों ने लॉर्ड्स पर टेस्ट और वनडे में अर्धशतक लगाए हैं। युवराज सिंह ने टी20 इंटरनेशनल में भी यहां पचासा लगाया था, लेकिन उन्हें लॉर्ड्स में कभी टेस्ट खेलने का मौका नहीं मिला। इसलिए वह तीनों फॉर्मेट में अर्धशतक लगाने का यह रिकॉर्ड नहीं बना सके।

भारत और इंग्लैंड के बीच खेला जा रहा यह मुकाबला लॉर्ड्स में पहला महिला टेस्ट है। ऐसे में हरमनप्रीत कौर इस ऐतिहासिक मैदान पर टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों फॉर्मेट में अर्धशतक लगाने वाली दुनिया की पहली महिला क्रिकेटर भी बन गई हैं।

अब फ्रांस से होगा महामुकाबला

फाबियन रूइज और मेरिनो के गोल से स्पेन सेमीफाइनल में

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 के दूसरे क्वार्टर फाइनल में स्पेन ने बेल्जियम को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। लॉस एंजिलिस स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में स्पेन के लिए फाबियन रूइज और मिकेल मेरिनो ने गोल किए, जबकि बेल्जियम की ओर से चार्ल्स डी केटेलारे ने एकमात्र गोल दागा। अब सेमीफाइनल में स्पेन का सामना मौजूदा उपविजेता फ्रांस से होगा। यह मुकाबला डलास स्टेडियम में खेला जाएगा।

फाबियन रूइज ने दिलाई शुरुआती बढ़त

स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने सभी को चौंकाते हुए पेड्री की जगह फाबियन रूइज को शुरुआती एकादश में मौका दिया। उनका यह फैसला सही साबित हुआ। मैच के 30वें मिनट में बेल्जियम के गोलकीपर थिबाउट कूर्तुआ ने दानी ओल्मो का पहला शॉट रोक लिया, लेकिन रीबाउंड पर फाबियन रूइज ने शानदार फिनिश करते हुए स्पेन को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद युवा स्टार लामिन यामाल ने भी बेहतरीन मौका बनाया, लेकिन उनका शॉट मामूली अंतर से गोलपोस्ट के बाहर निकल गया।

डी केटेलारे ने बेल्जियम की कराई वापसी

पहले हाफ के अंत से ठीक पहले बेल्जियम ने शानदार जवाब दिया। केविन डी ब्रुने ने शानदार थ्रू पास देकर टिमोथी कास्टान्ये को आगे बढ़ाया। कास्टान्ये के सटीक क्रॉस पर चार्ल्स डी केटेलारे ने 41वें मिनट में हेडर के जरिए गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसी स्कोर के साथ पहला हाफ समाप्त हुआ।

मेरिनो ने 88वें मिनट में दिलाई जीत

दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए, लेकिन निर्णायक पल 88वें मिनट में आया। बेल्जियम के अनुभवी गोलकीपर थिबाउट कूर्तुआ 71वें मिनट में चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए। उनकी जगह आए सेने लामेन्स ने पाउ क्यूबार्सी के दूर से लगाए गए शॉट को पूरी तरह नियंत्रित नहीं कर सके। रीबाउंड पर हाल ही में मैदान में उतरे मिकेल मेरिनो ने जोरदार शॉट लगाकर गेंद को जाल में पहुंचा दिया और स्पेन को 2-1 की बढ़त दिला दी। अंतिम सीटी तक बेल्जियम बराबरी नहीं कर सका और स्पेन ने जीत के साथ सेमीफाइनल का टिकट पक्का कर लिया।

अब फ्रांस से होगी टक्कर

इस जीत के साथ स्पेन ने विश्व कप 2026 के अंतिम चार में जगह बना ली है। सेमीफाइनल में उसका मुकाबला फ्रांस से होगा। दोनों यूरोपीय दिग्गजों के बीच होने वाला यह मैच टूर्नामेंट के सबसे बड़े मुकाबलों में से एक माना जा रहा है।

मैच में कौन से रिकॉर्ड बने?

बेल्जियम के चार्ल्स डी केटेलारे ने स्पेन के गोलकीपर उनाई सिमोन के लगातार 560 मिनट तक गोल नहीं खाने के रिकॉर्ड का अंत किया। इस दौरान सिमोन ने इटली के वाल्टर जेंगा के 1990 विश्व कप में बनाए गए 517 मिनट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया था। स्पेन ने लगातार 36वां मैच बिना हार के पूरा किया। उसने अर्जेंटीना के 2019-2022 के 36 मैचों के अपराजित रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। अब उससे आगे केवल इटली का 37 मैचों का अपराजित रिकॉर्ड है।

अमुंडी एवियन चैंपियनशिप

अदिति अशोक ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड, कट में जगह बनाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की स्टार गोल्फर अदिति अशोक ने फ्रांस में खेले जा रहे प्रतिष्ठित अमुंडी एवियन चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए कट में जगह बना ली है। दूसरे दौर में एक अंडर 70 का कार्ड खेलकर अदिति ने 36 होल के बाद कुल दो अंडर पार का स्कोर बनाया और संयुक्त 38वें स्थान पर पहुंच गईं। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय गोल्फ के इतिहास में एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली।

पहले दौर के बाद चुनौतीपूर्ण स्थिति में मौजूद अदिति ने दूसरे राउंड में बेहतरीन वापसी की। उन्होंने पूरे राउंड में चार बर्डी लगाई, हालांकि इस दौरान तीन बोगी भी कीं। इसके बावजूद उन्होंने एक अंडर 70 का स्कोर बनाकर आराम से कट में अपनी जगह पक्की कर ली।

यह अदिति अशोक के करियर का 38वां मेजर टूर्नामेंट है। इसके साथ ही वह किसी भी भारतीय पुरुष या महिला गोल्फर द्वारा सबसे ज्यादा मेजर टूर्नामेंट खेलने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। इसके अलावा, अमुंडी एवियन चैंपियनशिप में यह नौवीं बार उनकी भागीदारी है और उन्होंने पांचवीं बार कट में जगह बनाने का कारनामा किया है।टूर्नामेंट में इंग्लैंड की लॉटी वोड ने दूसरे दौर में शानदार सात अंडर 64 का कार्ड खेला। 36 होल के बाद उनके नाम कुल 11 अंडर पार का स्कोर है और वह लीडरबोर्ड में पहले स्थान पर काबिज हैं।

टेस्ट में सबसे तेज अर्धशतक

स्मृति ने तोड़ा अपना ही रिकॉर्ड हासिल की बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम और इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम के बीच एकमात्र टेस्ट मैच की सीरीज लॉर्ड्स, लंदन में खेली जा रही है। इस मैच में इंग्लैंड के टॉस जीतकर भारत को पहले बैटिंग करने को कहा। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही, लेकिन इसके बावजूद टीम की ओपनर स्मृति मंधाना ने बेहद धैर्य के साथ बैटिंग करते हुए अर्धशतक लगाया और एक छक्का व 11 चौकों की मदद से 83 रन बनाकर आउट हुईं। भारत ने पहली पारी में अपना पहला विकेट तब गंवा दिया जब टीम का स्कोर सिर्फ 4 रन ही था। टीम की ओपनर शैफाली वर्मा बिना खाता खोले यानी डक पर ही आउट हो गईं और उसके ठीक बाद भारत का दूसरा विकेट 37 रन के स्कोर पर गिरा जब यास्तिका भाटिया 12 रन पर आउट हो गईं। इसके बाद स्मृति ने बेहद धैर्य के साथ बैटिंग करते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया।

यही नहीं उन्होंने जेमिमा रोड्रिग्स के साथ मिलकर टीम के लिए 64 रन की अर्धशतकीय साझेदारी भी की। जेमिमा पहली पारी में 35 रन बनाकर आउट हुईं।

टीम पर भड़के पार्थिव पटेल

संजू को बाहर करना तर्कहीन वैभव को लेकर निशाना साधा

नई दिल्ली। संजू सैमसन की जगह वैभव सूर्यवंशी को मौका देने को लेकर भारतीय टी20 टीम पर पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इस युवा बल्लेबाज को टीम में जगह देना भावनात्मक रूप से सही फैसला है, लेकिन इसके लिए सीनियर बल्लेबाज को टीम से बाहर करना तर्कहीन है।

पार्थिव पटेल ने यह भी स्वीकार किया कि अतीत में संजू सैमसन को प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रखने के कारण टीम से बाहर कर दिया गया था लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में उन्हें बाहर करने का कोई कारण नजर नहीं आता है। पटेल ने जियोस्टार से कहा, 'हमेशा संजू सैमसन को ही क्यों बाहर किया जाता है। अगर आप पिछले 11-12 सालों में संजू सैमसन के करियर को देखें तो एक चीज शुरू से उनका पीछा कर रही है और वह है उनके खेल में निरंतरता का अभाव।'वैभव सूर्यवंशी को मौका देना भावनात्मक रूप से सही फैसला- पार्थिव ने कहा, 'या तो उस खिलाड़ी को बाहर किया जाता है जो तेजी से रन नहीं बना पा रहा हो या फिर लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा हो।

विश्व प्रवाह
आवाज़ जन-जन की...
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

राष्ट्रीय मंच पर चमका संभल का विद्यालय, सीएम योगी ने किया सम्मानित

प्रधानाध्यापक कपिल मलिक के नेतृत्व, नवाचार और समर्पण का प्रतिफल, राष्ट्रीय स्तर पर चमका विद्यालय

सम्मानित

राष्ट्रीय रैंकिंग में इटायला माफी स्कूल का परचम, यूपी में पहला और देश में 12वां स्थान।

प्रवाह ब्यूरो

संभल। शिक्षा, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए संभल जिले के असमोली विकासखंड स्थित पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय, इटायला माफी ने राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान बनाई है। विद्यालय को 'स्वच्छ एवं हरित विद्यालय पुरस्कार-2026' से सम्मानित किया गया है। राष्ट्रीय रैंकिंग में विद्यालय ने उत्तर प्रदेश में प्रथम तथा देशभर में 12वां स्थान प्राप्त कर जनपद संभल सहित पूरे मुरादाबाद मंडल का गौरव बढ़ाया है।

इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक कपिल मलिक को बुधवार को वाराणसी स्थित दीनदयाल हस्तकला संकुल (टीएफसी) एवं शिल्प संग्रहालय के ऑडिटोरियम में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सम्मानित किया।

सम्मान मिलते ही विद्यालय परिवार, विद्यार्थियों और क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर दौड़ गई।

प्रधानाध्यापक कपिल मलिक ने इस सफलता का श्रेय विद्यालय परिवार की निरंतर मेहनत, विद्यार्थियों के अनुशासन, अभिभावकों के सहयोग तथा संभल के निवर्तमान जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया के दूरदर्शी नेतृत्व को दिया। उन्होंने बताया कि शासन के कायाकल्प अभियान के 19 मानकों के अतिरिक्त डॉ. पैंसिया द्वारा तैयार किए गए 140 गुणवत्ता आधारित पैरामीटर जनपद के सभी पीएम श्री विद्यालयों में लागू किए गए। इन्हीं मानकों के प्रभावी क्रियान्वयन, नवाचार और टीमवर्क के चलते विद्यालय ने यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।

उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार केवल सम्मान नहीं, बल्कि भविष्य में और अधिक उत्कृष्ट कार्य करने की प्रेरणा है। विद्यालय शिक्षा की गुणवत्ता, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और नवाचार के क्षेत्र में आगे भी इसी समर्पण के साथ कार्य करता रहेगा। वर्तमान में विद्यालय में 400 से अधिक छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। यहां संभल जनपद के रतूपुरा, मछायरी, मालपुर, पैतिया माफी सहित मुरादाबाद जनपद के लोधीपुर राजपूत, पल्लूपुरा घोसी, नगला बनवीर और भाडली समेत आसपास के लगभग आठ गांवों के बच्चे प्रतिदिन स्कूल वैन, साइकिल और अभिभावकों के साथ अध्ययन के लिए पहुंचते हैं।

विद्यालय अपनी आधुनिक, डिजिटल और पर्यावरण अनुकूल व्यवस्थाओं के कारण प्रदेश में अलग पहचान बना चुका है। परिसर में तीन विकसित हरित पार्क, वाई-फाई युक्त कैंपस, एजुकेशन पार्क, सभी विद्यार्थियों के लिए फर्नीचर, आधुनिक प्रयोगशाला, स्विमिंग पूल, खेलकूद के लिए झूले, प्रत्येक कक्षा में स्मार्ट टीवी, विशाल टिन शेड, हार्डटेक शौचालय सहित अनेक अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। यही कारण है कि यह विद्यालय आज ग्रामीण शिक्षा के उत्कृष्ट मॉडल के रूप में प्रदेश और देश में अपनी अलग पहचान स्थापित कर चुका है।

संभल में विकास की दोहरी सौगात, जिला पंचायत भवन एवं सूचना कार्यालय का हुआ लोकार्पण

फीता काटकर प्रभारी मंत्री जेपीएस राठौर ने किया लोकार्पण, बोले- ऐसा सूचना कार्यालय प्रदेश में कहीं नहीं

लोकार्पण

प्रवाह ब्यूरो

संभल। जनपद के प्रशासनिक विकास की दिशा में मंगलवार को एक ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया। उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री एवं जनपद के प्रभारी मंत्री जेपीएस राठौर ने चंदौसी तहसील क्षेत्र के संभल रोड स्थित बेहटा जयसिंह गांव में नवनिर्मित स्थायी जिला पंचायत भवन तथा आधुनिक जिला सूचना कार्यालय का फीता काटकर लोकार्पण किया। इसके साथ ही संभल को अपना पहला स्थायी जिला पंचायत भवन और अत्याधुनिक सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल मिल गया, जिससे प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, त्वरित सूचना प्रसारण और डिजिटल निगरानी को नई मजबूती मिलेगी। करीब ?7.25 करोड़ की लागत से महज 16 माह में तैयार हुआ यह जिला पंचायत भवन संभल के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। खराब मौसम और अन्य सरकारी कार्यक्रमों के कारण उद्घाटन निर्धारित समय से कुछ विलंब से तो जरूर हुआ, बावजूद इसके पूरे उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। लोकार्पण के बाद प्रभारी मंत्री जेपीएस राठौर ने नवनिर्मित जिला सूचना कार्यालय का निरीक्षण किया और इसकी आधुनिक सुविधाओं की सराहना करते हुए कहा, ₹पूरे उत्तर प्रदेश में इतना आधुनिक और सुविधायुक्त जिला सूचना कार्यालय कहीं नहीं है। यह कार्यालय सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस और सुशासन की नीति पर कार्य कर रही है। आधुनिक प्रशासनिक भवनों का निर्माण इसी सोच का परिणाम है, जिससे सरकारी सेवाएं अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जनसुलभ बन रही हैं।

संभल जनपद के गठन के लगभग साढ़े 15 वर्ष बाद उसे अपना स्थायी जिला पंचायत भवन मिला है। उल्लेखनीय है कि तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती ने 28 सितंबर 2011 को मुरादाबाद, चंदौसी और गुन्नौर क्षेत्र को मिलाकर 'भीमनगर' जनपद का गठन किया था। वर्ष 2012 में समाजवादी पार्टी सरकार ने इसका नाम बदलकर संभल कर दिया। इसके बाद लंबे समय तक स्थायी जिला पंचायत भवन का इंतजार बना रहा, जिसे अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने पूरा कर दिया। नवीन जिला पंचायत भवन बनने से अब जिला पंचायत के विभिन्न अनुभाग एक ही परिसर में संचालित होंगे। इससे अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा, वहीं आम नागरिकों को भी विभिन्न कार्यों के लिए अलग-अलग स्थानों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इससे प्रशासनिक कार्यों में गति और पारदर्शिता दोनों बढ़ेंगी। जिला सूचना कार्यालय में स्थापित अत्याधुनिक सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल शासन की योजनाओं के प्रचार-प्रसार, सोशल मीडिया पर प्रसारित सूचनाओं की निगरानी तथा जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों पर त्वरित प्रतिक्रिया देने का कार्य करेगी। इससे सरकारी सूचनाओं का प्रभावी संप्रेषण और फर्जी अथवा भ्रामक खबरों पर भी प्रभावी निगरानी संभव होगी। लोकार्पण के बाद प्रभारी मंत्री ने जिला कलेक्ट्रेट के बहजोई सभागार में जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल, पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने निर्देश दिए कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक हर हाल में पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों से पारदर्शिता, समयबद्धता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने पर जोर दिया। समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. अनामिका यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष हरेंद्र सिंह, जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल, पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई, जिला सूचना अधिकारी ब्रजेश कुमार, पूर्व एमएलसी परमेश्वर लाल सैनी, बहजोई चेयरमैन राजेश शंकर राजू के अलावा अन्य जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

35 करोड़ पौधों के साथ हरियाली की नई इबारत लिखेगा उत्तर प्रदेश

प्रवाह ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में रविवार को हरियाली का महाअभियान शुरू हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुबह 8:30 बजे गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के पास 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने नीम, पीपल और बरगद के पौधे लगाए, पौधों के साथ आईफोन से सेल्फी ली और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए आसमान में गुब्बारे भी छोड़े। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि हर व्यक्ति अपनी मां के नाम एक पौधा जरूर लगाए। उन्होंने कहा कि केवल पौधा लगाना ही काफी नहीं है, बल्कि उसकी देखभाल करना और उसे पेड़ बनने तक सुरक्षित रखना भी हमारी जिम्मेदारी है। सीएम ने कहा कि इस वर्ष मानसून लगभग एक महीने की देरी से आया, जिससे खेती प्रभावित हुई है। मौसम लगातार बदल रहा है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति अंधाधुंध पेड़ों की कटाई और जल स्रोतों के नष्ट होने का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश में 242 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। पिछले वर्ष भी 35 करोड़ पौधे लगाए गए थे, लेकिन इस बार सरकार ने एक ही दिन में 35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। यदि यह लक्ष्य पूरा होता है तो 24 घंटे में सबसे अधिक पौधे लगाने का नया रिकॉर्ड बनेगा। सुबह 11 बजे तक प्रदेश में करीब 13 करोड़ पौधे लगाए जा चुके थे। उन्होंने कहा कि पौधारोपण के साथ-साथ सिंगल यूज प्लास्टिक से भी मुक्ति जरूरी है। सभी लोग अपने परिवार, पूर्वजों और मां की स्मृति में एक पौधा लगाएं और उसकी नियमित देखभाल करें। इससे पर्यावरण सुरक्षित रहेगा और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण मिलेगा। इस अवसर पर सांसद रवि किशन ने मुख्यमंत्री की सराहना करते हुए कहा कि उनके विजन के कारण प्रदेश में विकास और हरियाली दोनों दिखाई दे रहे हैं। वहीं उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि पूरे प्रदेश में सरकारी विभागों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों की भागीदारी से यह अभियान उत्साहपूर्वक चलाया जा रहा है।

कौशल प्रशिक्षण पूरा होते ही देनी होगी 90 दिनों में नौकरी

प्लेसमेंट न होने पर कंपनियों पर कार्रवाई, एआई आधारित डैशबोर्ड से होगी निगरानी

प्रशिक्षण

प्रवाह ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने कौशल विकास प्रशिक्षण के बाद युवाओं को रोजगार दिलाने की व्यवस्था को और अधिक जवाबदेह बनाने के लिए बड़ा फैसला लिया है। अब कौशल विकास का प्रशिक्षण पूरा करने वाले युवाओं को 90 दिनों के भीतर नौकरी दिलाना प्रशिक्षण प्रदाता कंपनियों की जिम्मेदारी होगी। यदि कोई कंपनी तय समय में प्लेसमेंट कराने में विफल रहती है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश सरकार ने प्रशिक्षण और प्लेसमेंट प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) आधारित डैशबोर्ड तैयार किया है। इसके जरिए प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रत्येक युवा के रोजगार की ऑनलाइन निगरानी की जाएगी। इतना ही नहीं, नौकरी मिलने के बाद भी एक वर्ष तक युवाओं की रोजगार स्थिति पर नजर रखी जाएगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन्हें स्थायी रोजगार मिल रहा है।

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन ने प्रशिक्षण केंद्रों की कार्यप्रणाली पर भी सख्ती बढ़ा दी है। सभी प्रशिक्षण केंद्रों में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से प्रशिक्षण गतिविधियों की निगरानी की जा रही है। मिशन मुख्यालय में बने कंट्रोल रूम से रोजाना रिपोर्ट ली जा रही है और प्रशिक्षण की गुणवत्ता का मूल्यांकन किया जा रहा है।

मिशन ने स्पष्ट कर दिया है कि नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों को बख्शा नहीं जाएगा। गंभीर अनियमितता मिलने पर कंपनियों को सूची से बाहर किया जा रहा है, जबकि छोटी-छोटी कमियों पर भी उनके प्रशिक्षण बैच कम कर चेतावनी दी जा रही है।

युवाओं को मिलेगा पारदर्शी प्रशिक्षण और रोजगार

सरकार का उद्देश्य केवल प्रशिक्षण देना नहीं, बल्कि प्रशिक्षण के बाद युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना है। नई व्यवस्था लागू होने से प्रशिक्षण प्रदाता कंपनियों की जवाबदेही बढ़ेगी और युवाओं को पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण के साथ समयबद्ध रोजगार मिलने की संभावना भी मजबूत होगी।

अब पूरे साल मिलेगी कॅरियर काउंसिलिंग, यूपी के हर ब्लॉक में तैनात होंगे 822 काउंसलर

काउंसलर

बोर्ड परीक्षा तक सीमित नहीं रहेगी मदद, पढ़ाई के तनाव से राहत और सही कॅरियर चयन पर रहेगा फोकस।

प्रवाह ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले लाखों छात्रों के लिए एक बड़ी पहल करने जा रही है। अब छात्रों को केवल बोर्ड परीक्षा के समय ही नहीं, बल्कि पूरे शैक्षणिक सत्र के दौरान मानसिक तनाव से उबरने और सही कॅरियर चुनने के लिए विशेषज्ञों का मार्गदर्शन मिलेगा।

इसके तहत प्रदेश के सभी विकास खंडों में कुल 822 कॅरियर काउंसलर तैनात किए जाएंगे, जो विद्यालय स्तर पर नियमित रूप से छात्रों से संवाद करेंगे।

यह पहल ऐसे समय में की जा रही है, जब पढ़ाई का बढ़ता दबाव, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और भविष्य को लेकर असमंजस के कारण विद्यार्थियों में तनाव और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं। कई मामलों में छात्र गलत निर्णय तक ले लेते हैं। इसे देखते हुए शिक्षा विभाग ने पूरे वर्ष काउंसिलिंग की व्यवस्था लागू करने की तैयारी शुरू कर दी है।

कॅरियर के साथ मानसिक स्वास्थ्य पर भी रहेगा फोकस

तैनात किए जाने वाले काउंसलर छात्रों को विभिन्न कॅरियर विकल्पों, प्रतियोगी परीक्षाओं, कौशल आधारित रोजगार और उच्च शिक्षा के अवसरों की जानकारी देंगे। साथ ही परीक्षा का तनाव, आत्मविश्वास की कमी, असफलता का डर और मानसिक दबाव जैसी समस्याओं से निपटने के लिए भी नियमित मार्गदर्शन करेंगे।

अब तक बोर्ड परीक्षाओं के दौरान ऑनलाइन कॅरियर काउंसिलिंग की व्यवस्था होती थी, लेकिन नई योजना के तहत काउंसलर विद्यालयों में पहुंचकर विद्यार्थियों के साथ सीधे संवाद करेंगे। इससे छात्रों को समय रहते अपनी समस्याएं साझा करने और समाधान पाने का अवसर मिलेगा।

इस पहल से छात्रों में तनाव कम करने, आत्मविश्वास बढ़ाने और उनकी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप सही कॅरियर चुनने में मदद मिलेगी। शिक्षा विभाग का मानना है कि समय पर सही मार्गदर्शन मिलने से विद्यार्थियों का मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होगा और वे बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन कर सकेंगे।

यूपी चुनाव 2027: भाजपा में टिकट वितरण के लिए कड़े मानदंड

राष्ट्रीय अध्यक्ष का संदेश : टिकट कटे तो निराश नहीं, प्रत्याशी की जीत के लिए मैदान में उतरें

यूपी चुनाव

प्रवाह ब्यूरो

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के हालिया उत्तर प्रदेश दौरे के बाद यह संकेत मिले हैं कि इस बार विधानसभा चुनाव में केवल जीत दिलाने वाले चेहरों पर ही दांव लगाया जाएगा। खराब छवि, कमजोर प्रदर्शन और कार्यकर्ताओं से दूरी बनाने वाले बड़ी संख्या में मौजूदा विधायकों के टिकट पर खतरा मंडरा सकता है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष 4 और 5 जुलाई को करीब 36 घंटे लखनऊ में रहे। इस दौरान उन्होंने सरकार, संगठन और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पदाधिकारियों के साथ कई महत्वपूर्ण बैठकें कीं। बैठकों में खासतौर पर उन 240 विधानसभा सीटों की समीक्षा की गई, जहां 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन अपेक्षा से कमजोर रहा था।

भाजपा संगठन ने विधायकों के मूल्यांकन के लिए छह प्रमुख आधार तय किए हैं। इनमें सांसद और विधायक के बीच टकराव, कार्यकर्ताओं की नाराजगी, क्षेत्र में निष्क्रियता, 70 वर्ष से अधिक आयु, सरकार या संगठन के खिलाफ सार्वजनिक बयानबाजी तथा लोकसभा चुनाव में संबंधित विधानसभा क्षेत्र में पार्टी का खराब प्रदर्शन शामिल है। इसके अलावा 2022 के विधानसभा चुनाव में बेहद कम अंतर से जीत दर्ज करने वाले विधायकों की स्थिति पर भी गंभीरता से विचार किया जा रहा है।

भाजपा शिक्षक और स्नातक खंड की 11 विधान परिषद सीटों के चुनाव की तैयारी में भी जुट गई है। पार्टी ने इनमें से पांच सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं, जहां पहले से भाजपा के सदस्य विजयी रहे थे। शेष सीटों पर उम्मीदवारों के चयन में पिछले विजयी चेहरों और नए मजबूत दावेदारों दोनों पर विचार किया जा रहा है। इन चुनावों के दिसंबर 2026 में होने की संभावना है।

सामाजिक और संगठनात्मक मुद्दों पर भी मंथन बैठकों में यूजीसी के नए नियमों और उनसे जुड़े विवादों पर भी चर्चा हुई। पार्टी का मानना है कि इन मुद्दों पर विभिन्न वर्गों में असंतोष है, जिसका समाधान निकालना जरूरी है। आरएसएस के साथ हुई बैठक में राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण और यूजीसी विवाद को लेकर भी जनता की नाराजगी पर चिंता व्यक्त की गई।

हाल ही में घोषित भाजपा की नई प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर भी बैठक में जोर दिया गया। संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने सभी पदाधिकारियों से विधानसभा चुनाव से पहले आपसी तालमेल मजबूत करने और संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करने का आह्वान किया।

बैठक में यह भी समीक्षा की गई कि 2027 में दोबारा पूर्ण बहुमत हासिल करने के लिए अब तक क्या प्रयास किए गए हैं और किन रणनीतियों में सुधार की जरूरत है। साथ ही निर्णय लिया गया कि उत्तर प्रदेश के त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव विधानसभा चुनाव के बाद कराए जाएंगे। दुद्धी, घोसी और फरीदपुर विधानसभा सीटों के उपचुनाव भी मुख्य विधानसभा चुनाव के साथ कराने की तैयारी है।

भाजपा नेतृत्व का स्पष्ट संदेश है कि आगामी विधानसभा चुनाव में संगठन, जनसंपर्क और जीत की क्षमता को सबसे अधिक महत्व दिया जाएगा तथा टिकट वितरण में इन्हीं मानकों को प्राथमिकता मिलेगी।

स्वामी प्रकाशक मुद्रक संपादक संगीता ने पवन कमल प्रिन्टर्स लालनेर शिकारपुर बुलंदशहर से मुद्रित कराकर मकान नंबर 58 शास्त्री चौक कृतिया, संभल, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी हैं, जहां सभी वादों का न्याय क्षेत्र संभल होगा। प्रधान संपादक – संगीता मो. : 9837001756, बेवसाइट : vishvpravah.com, आर.एन.आई. : UPHIN/26/A2916, मेल : vishvpravah@gmail.com